MPHIN/2021/83938

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 322 | ग्वालियर,शनिवार 03 अगस्त 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज़ ट्रैक

रखा गया था रिमोट बम, दो महीने से चल रही थी प्लानिंग, हो गया पूरा

खुलासा

नई दिल्ली। ईरानी सेना के अधिकारियों ने बताया कि हनिया की मौत बम धमाके से हुई, जिस बम में धमाका किया गया वह रिमोट कंट्रोल्ड था. गेस्ट हाउस तक बम कैसे पहुंचा इसकी जानकारी का पता नहीं लगा है. हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हनिया की मौत को लेकर नया दावा सामने आया है, जिसमें बताया गया है कि हनिया की हत्या कैसे की गई. हमास चीफ इस्माइल हनिया ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए ईरान की राजधानी तेहरान गया था. हनिया ईरानी सेना द्वत्रनष्ट के जिस गेस्ट हाउस में ठहरा था, उसी में उसकी हत्या कर दी गई. नई खबर अब ये आ रही है कि जिस बम से हनिया की हत्या की गई, उसे दो महीने पहले स्मगलिंग करके तेहरान लगाया गया था. न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस्माइल हनिया की हत्या के लिए रिमोट कंट्रोल बम का इस्तेमाल किया गया. इस बम को दो महीने पहले ही स्मगल करके तेहरान के उसी गेस्ट हाउस में रखा गया था, जिसमें इस्माइल हनिया ठहरा था. न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में ईरानी सेना आईआरजीसी और कई अधिकारियों के हवाले से इस जानकारी को साझा किया गया है. यह नया खुलासा उन शुरुआती दावों से बिल्कुल अलग है, जिसमें मिसाइल हमले के जरिए इस्माइल हनिया की हत्या की बात कही गई थी.

केसी वेणुगोपाल का बढ़ा कद अब मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल पब्लिक अकाउंट्स कमेटी चेयरमैन होंगे. पाब्लिक अकाउंट्स कमेटी की अध्यक्षता विपक्ष के सांसद करते हैं. केसी वेणुगोपाल केरल से सांसद हैं. इनकी गिनती कांग्रेस के मजबूत नेताओं में होती है. इन्हें गांधी परिवार का काफी करीबी माना जाता है. केसी वेणुगोपाल 2020 में राज्यसभा सांसद चुने गए थे. इसके बाद 2024 में इन्होंने केरल की अलप्पुझा सीट से लोकसभा का चुनाव जीता. वह यूपीए-1 सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं. इस वक्त वह लोकसभा में डिप्टी व्हिप की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. संसदीय परंपरा के मुताबिक कमेटी का चेयरमैन का पद विपक्ष को दिया जाता है. 2014-2019 के बची कांग्रेस के लोकसभा लीड अधीर रंजन चौधरी इस कमेटी के चेयरमैन थे. सूत्रों के अनुसार पार्टी के तमाम बड़े फैसलों, टिकट फाइनल करने और दूसरी पार्टी के साथ गठबंधन की बातों को फाइनल करने में इनका रोल अहम होता है. यही नहीं इन मामलों में अंतिम फैसला वेणुगोपाल के जरिए ही मीडिया के सामने आता है. के.सी. वेणुगोपाल 2023 में बने इंडिया गठबंधन के संयोजन समिति के प्रभावी सदस्य हैं, केसी वेणुगोपाल खुद को सादा रखते हैं. वह लाइम लाइट से दूर ही रहते हैं.

कोटा के दंपती ने चलाया अनूठा अभियान

कोटा। स्वंय सेवी संस्थाएं समय-समय पर मांग के अनुरूप स्कूलों में मदद करती रहती हैं. कभी कोई संस्था क्लारूम बनवाती है, तो कोई पढ़ाई-लिखाई का सामान वितरित करवाता है. यही नहीं कोई स्कूल बैग तो कोई स्कूल ड्रेस भी वितरित करवाता है. ऐसे में इन सबसे हटकर

राहुल गांधी को गिरिराज सिंह का चैलेंज

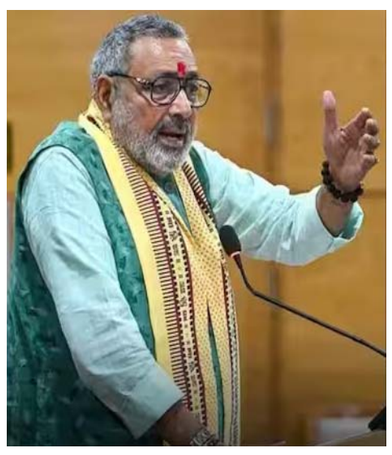

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार (2 अगस्त) को दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उनके यहां छापेमारी करने वाला है. हालांकि, अभी तक ऐसा नहीं हुआ है. राहुल के इस दावे को लेकर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के फायरब्रांड नेता गिरिराज सिंह भड़क गए हैं. उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि ये देश का दुर्भाग्य है कि राहुल गांधी नेता विपक्ष हैं. वह संसद में झूठ बोलने के बाद अब बाहर गलत जानकारी फैला रहे हैं. वह खुद पर शर्मिंदा हैं. राहुल के दावे पर मीडिया को जवाब देते हुए गिरिराज ने कहा, मुझे लगता है कि देश का दुर्भाग्य है कि राहुल गांधी संवैधानिक पद पर एलओपी हैं. सदन के भीतर तो झूठ बोलते ही हैं, सदन के बाहर भी भ्रम फैलाने का काम किए हैं. उन्हें चुनौती देता हूं कि वह बताएं कि कौन अधिकारी उनको फोन किया है. ये शर्मिंदा हैं, दुनिया से जाति पूछते हैं. अपना जाति बचाने के लिए भाग रहे हैं. राहुल से बड़ा एलओपी आज तक पैदा नहीं हुआ है. हाउस के भीतर झूठ बोला जा रहा है.÷ कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उन्हें अंदरूनी सूत्रों से मालूम चला है कि ईडी उनके घर रेड डालने वाली है. राहुल ने कहा कि वह ईडी का इंतजार कर रहे हैं. पोस्ट में राहुल ने लिखा, ÷जाहिर है कि '2 इन 1' को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा. ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है. मैं ईडी का दिल खोलकर इंतजार कर रहा हूं. मेरी तरफ से चाय और बिस्कुट. गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी की जाति को लेकर हो रहे विवाद पर भी कांग्रेस नेता को निशाने पर लिया था. गिरिराज ने कहा कि राहुल जातिगत जनगणना की मांग करते हैं, लेकिन अगर कोई उनकी जाति पूछता है और प्रधानमंत्री किसी नेता (अनुराग ठाकुर) का भाषण साझा करते हैं तो यह विशेषाधिकार हनन के तहत क्यों आना चाहिए. उन्होंने कहा, राहुल गांधी, यह अच्छी बात है कि आप जाति आधारित गणना चाहते हैं. आपकी जाति और धर्म क्या है, देश जानना चाहता है.

शेख हसीना सरकार ने जमात-ए-इस्लामी पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार ने गुरुवार को एक कार्यकारी आदेश के जारी करके जमात-ए-इस्लामी, इसकी छात्र शाखा और इससे जुड़े अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया. यह कदम बांग्लादेश में कई सप्ताह तक चले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद देशव्यापी कार्रवाई के तहत उठाया गया. छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में करीब 150 लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग घायल हुए हैं. सत्तारूढ़ आवामी लीग और उसके राजनीतिक सहयोगी जमात पर पहले ही आरोप लगा रहे थे. इनका कहना है कि सरकारी नौकरियों के लिए कोटा सिस्टम को लेकर हाल में हुए छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़काने का काम जमात, उसके छात्र विंग इस्लामी छात्र शिबिर और अन्य प्रमुख संगठनों ने किया है. ऐसे में लगभग यह तय था कि सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों पर कुछ सख्त कदम उठाएगी. गृह मंत्रालय ने गुरुवार को गजट नोटिफिकेशन जारी करके आतंकवाद विरोधी कानून के तहत जमात पर बैन लगाया है. सरकारी गजट में कहा गया है कि चूंकि सरकार का मानना है कि बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी, बांग्लादेश इस्लामी छात्र शिबिर और इसके अग्रणी

संगठन आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हैं. इसलिए सरकार ने आतंकवाद निरोधक अधिनियम-2009 की धारा 18 (1) का पालन करते हुए इन्हें राजनीतिक इकाई और संगठन के रूप में प्रतिबंधित किया है. साल 1941 में ब्रिटिश भारत के लाहौर में सैयद अबुल अला मौदूदी द्वारा गठित इस्लामिस्ट पार्टी पर लंबे समय से प्रतिबंध लगे हुए हैं. बांग्लादेश की आजादी के तुरंत बाद, इस पर कुछ समय के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था. इसके बाद साल 2013 में उच्च न्यायालय ने जमात के पंजीकरण को अवैध घोषित कर दिया और चुनावों में इसकी भागीदारी पर रोक लगा दी थी. क्योंकि जमात का चार्टर संविधान का उल्लंघन करता है. आदेश के खिलाफ इसकी अपील को 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया. इसके बावजूद जमात राजनीतिक गतिविधियों में हमेशा से सक्रिय रहा है. बैरिस्टर तानिया आमिर, जो जमात के खिलाफ अदालतों में लड़ती रही हैं. उन्होंने टेलिग्राफ को बताया कि एक राजनीतिक दल के रूप में जमात 2013 में ही मर चुकी थी, आज सरकार ने ताबूत में कील ठोककर उन्हें दफन कर दिया. बताया जाता है कि बांग्लादेश की एक बड़ी आबादी जमात से नफरत करती है, क्योंकि साल 1971 के स्वतंत्रता संग्राम में जमात ने पाकिस्तान से बांग्लादेश के अलग होने का विरोध किया था.

भरतपुर में घूंघट की आड़ में हथियारों का तस्कर पुलिस को दे रहा था चकमा

नई दिल्ली। राजस्थान के भरतपुर जिले में पुलिस ने एक अवैध हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है. हथियार तस्कर पर पांच हजार का इनाम भी रखा गया था. आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था. पुलिस को सूचना मिली थी कि हथियार तस्कर महिला के भेष में घूंघट लगाकर जा रहा है. जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया. जानकारी के अनुसार, सेवर थाना क्षेत्र के गांव रामजी का नगला का रहने वाला करतार सिंह अवैध हथियारों की तस्करी करता है. पुलिस को काफी समय से आरोपी करतार सिंह की तलाश थी. जिसकी वजह से उसपर पांच हजार का इनाम भी रखा गया था. कुछ दिन पहले उद्योग नगर थाना पुलिस ने तस्कर के एक साथी को गिरफ्तार किया था वो भी हथियारों की तस्करी में शामिल था. तभी से पुलिस ने मुख्य सरगना करतार सिंह की तलाश तेज कर दी थी।

सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान से बवाल

नई दिल्ली। लखनऊ के गोमती नगर क्षेत्र में बारिश के दौरान महिला से छेड़छाड़ और राहगीरों से बदसलूकी के मामले में पुलिस ने एक्शन लेते हुए आज गुरुवार (1 अगस्त) को 12 लोगों को गिरफ्तार किया है. इससे पहले पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया था, अबतक इस मामले में 16 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है. गोमतीनगर मामले को संज्ञान में लेते हुए गोमती नगर इंस्पेक्टर, चौकी इंचार्ज और चौकी पर मौजूद समस्त पुलिस कर्मी निलंबित कर दिया गया था. इसके बाद पुलिस एक्शन में आई और हुड़दंगियों की पहचान कर अब तक 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. लखनऊ में 31 जुलाई को तेज बारिश के कारण अंबेडकर पार्क और होटल ताज से गुजरने वाले सड़कमार्ग, गांधी सेतु अंडरपास के नीचे बारिश का काफी पानी भर गया था. आस-पास की नालियों का पानी और गंदगी उसी पानी में तैरने लगी और पानी गंदा हो गया था.

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा की तारीख आई

नई दिल्ली। बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा की तारीख जारी कर दी गई है. 7 से 28 अगस्त के बीच इसकी परीक्षा होगी. परीक्षा का आयोजन एक ही पाली में दोपहर 12 बजे से लेकर 2 बजे तक होगा. शुक्रवार (02 अगस्त) को इस परीक्षा को लेकर आयोग के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने जानकारी दी. कहा कि इस बार पेपर लीक नहीं होगी. इस परीक्षा के लिए 17 लाख 81 हजार 720 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है. राज्य के 38 जिलों में 545 सेंटर्स पर परीक्षा होगी.

एमपी के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के कई जिलों में झमाझम बारिश का दौर जारी है. इस बीच लगातार बारिश के चलते तवा डैम के पांच गेट खोले गए हैं, जबकि नर्मदा नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ता जा रहा है. मौसम विभाग ने आज शुक्रवार (2 अगस्त) को प्रदेश के 11 जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है. इधर भोपाल के नजदीकी जिले सीहोर में भारी बारिश को देखते हुए कलेक्टर प्रवीण कुमार सिंह ने स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र में छुट्टी की घोषणा की है. मौसम विभाग ने प्रदेश में गुरुवार से चार दिन तक भारी बारिश की संभावना जताई थी. मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार से प्रदेश के कई शहरों में बारिश हो रही है. वहीं सीहोर में भी बीती रात से बारिश हो रही है, जबकि भोपाल में आज सुबह पांच बजे से बारिश का दौर शुरू हो गया है. लगातार बारिश की वजह से नर्मदापुरम में तवा बांधी के पांच गेट खोल दिए गए हैं. जबकि नर्मदा नदी में भी लगातार जलस्तर बढ़ता जा रहा है. मौसम विभाग ने प्रदेश के 39 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है.

अयोध्या रेप पीड़िता की मां से आज मिले सीएम योगी

नई दिल्ली। अयोध्या गैंगरेप मामले में पीड़िता की मां ने लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की. सीएम ने सपा नेता मोईद खान पर कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया. कल विधानसभा में कानून व्यवस्था पर सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी को आईना दिखाया था. सीएम योगी ने कहा था कि अयोध्या व हरदोई मामले में सपा के नेता आरोपी,यह समाज के कोढ़ हैं. सीएम

योगी ने कहा कि अयोध्या में दुष्कर्म करने वाला सपा सांसद का करीबी है. सपा ने अब तक इस पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की. सीएम योगी ने विधानसभा में सपा के लोगों को महिला सुरक्षा के लिए खतरा बताया था. गैंगरेप का आरोपी सपा नेता और अवधेश पासी का करीबी बताया जाता है. अयोध्या में सपा नेता द्वारा गैंगरेप के बाद वीडियो बनाने का मामला सामने आने के बाद बात पुख्ता हुई.

पुलिस ने समाजवादी पार्टी के भदरसा नगर अध्यक्ष मोइद खान और नौकर राजू खान को अरेस्ट किया था. आरोप है कि सपा नेता मोइद खान ने पहले बच्ची के साथ बलात्कार किया, फिर वीडियो बनाया. दोनों आरोपी ढाई माह तक मासूम का गैंगरेप करते रहे. गर्भवती होने पर मामला सामने आया. दूसरी ओर सपा नेता की घिनौनी करतूत पर अयोध्या के सांसद बोलने से कतराते रहे. इससे पहले एनसीपीसीआर ने अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को संबोधित एक पत्र में आरोपों की गंभीरता को रेखांकित किया,

ढाबा मालिक को ढाबे में टहते समय मिली सोने की अंगुठी,अंगुठी मालिक की कर रहे है तलाश

दैनिक पुष्पांजली टुडे
संवाददाता मालनपुर

मालनपुर/ इस युग में लोग चंद पैसों के खातिर एक दूसरे की बेईमानी कर जाते हैं लेकिन आज भी इस दुनियां में ऐसे भी लोग हैं जो सच्ची राह और ईमानदारी पर चल रहे हैं द्य ईमानदारी की ऐसी ही मिसाल क्षेत्र में पेश कर रहे है जैसे बंटू ढाबा संचालक वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश सिंह परिहार (बंटू)ने पेस की है ढाबा संचालक ने जानकारी में हुए बताया है कि में बीते दिनों ढाबे में टहल रहा था तभी मेरी निगाह

टेबल के नीचे डली हुई सोने की अंगूठी पर पड़ी उन्होने अंगूठी को उठाया और ढावे में खाना खा रहे सभी लोगों से पूछा किसी व्यक्ति की अंगूठी गिर गई है सभी से पूछताछ करने के बाद वह व्यक्ति नहीं मिला हम काफी तलाश करने में लगे हुए हैं लेकिन अभी तक कोई व्यक्ति हमारे पास अंगूठी लेने नहीं आया हे द्य मीडिया के माध्यम से भी अपील की है कि जिस किसी भाई कि वह अंगूठी है वह बंटू ढाबे पर संपर्क कर अपनी अंगूठी प्राप्त कर सकता है

काम करवाना है तो देना होगा पटवारी साहब को रिश्वत अक्सर आपने सुना होगा

टेबल के नीचे से पैसा लेना ये लाईन आपने कई बार सुनी होगी. यह कथन उनलोगों के लिए बोला जाता है जो अपने पद का गलत इस्तेमाल करते हुए अपनी सैलरी से ज्यादा पैसे गैरकानूनी तरह से कमाते हैं. लोगों से रिश्वत लेते हैं जो एक अपराध है और इसके लिए दोषी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनयम,1988 की धारा 7 के तहत सजा भी भुगतनी पड़ सकती है।कुछ ऐसा ही एक घटना निकल के सामने आया है जहां रायपुर जिला के ग्राम पारागांव मे हल्का पटवारी लेखराम देवांगन ने एक पीड़ित से पांच हजार रुपए की रिश्वत लेके कानून के मु पे तमाचा मारा है बता दे की पारागांव के रहने वाले राजेंद्र निषाद ने अपने पिता के मृत्यु होने के उपरांत फौती नामांतरण की अर्जी हलका

पटवारी के पास दी ताकी भविष्य में संपत्ति का वारिशाना अधिकार उन्हें मिल सके पर पटवारी साहब ने इस कार्य को करने के बदले में पाँच हजार रुपए की मांग की पीड़ित

के पास पैसा ना होने की वजह से पटवारी साहब काम को टाल मटोल करते रह गए और रोज कोतवाल के द्वारा घर पर तगादा भेजने लगे पीड़ित तंग आके पटवारी साहब को नगद पाँच हजार रुपए का भुगतान कर उसका चुपके से वीडियो बना लिया जिसपे साफ-साफ दिख रहा है की पटवारी साहब अपने पद का गलत इस्तमाल कर गैर कानूनी ढांग से पैसा कमाने में लगे हैं और जब मिडिया के द्वारा इसकी पडताल की गई तो पटवारी साहब का कहना यह हुआ कि ये तहसीलदार साहब के कहने पे लेते हैं ऐसे भ्रष्ट अधिकारी को अपने पद का गलत इस्तमाल करने के खिलाफ कानून को इनके लिये साक्त कदम उठाना चाहिए

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर 3 अगस्त को जोन 4 के सहयोग गार्डन में करेंगे जन-सुनवाई

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर/ ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु प्रति शनिवार को की जाने वाली जनसुनवाई 3 अगस्त को नगर निगम के तानसेन नगर स्थित जोन 4 क्षेत्रीय कार्यालय पर करेंगे। श्री तोमर इस दिन प्रात: 8.30 बजे से 11 बजे तक तानसेन नगर स्थित नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-4 के सहयोग गार्डन रमटापुरा पुल के पास यह जनसुनवाई करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम व विद्युत वितरण कंपनी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को इस जन-सुनवाई में उपस्थित रहकर जन समस्याओं का निराकरण करने एवं आवश्यक व्यवस्थायें करने के निर्देश दिए गए हैं।

धरती का श्रंगार कराओ, एक पेड़ मां के नाम लगाओ

मां की ममता पेड़ का दान दोनों करते जन-जन का कल्याणमां की ममता पेड़ का दान दोनों करते जन-जन का कल्याण

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो
चीफ पुष्पांजलि टुडे

मां की ममता पेड़ का दान दोनों करते जन-जन का कल्याण

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार कानुडे के नेतृत्व में 02 अगस्त को जिला शिक्षा कार्यालय खरगोन में एक पौधा मां के नाम अभियान अन्तर्गत पौधे रोपित किए गए। शिक्षा विभाग खरगोन के सभी महिला पुरुष कर्मचारियों ने हाथों में पौधे लेकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के प्रोत्साहन को लेकर नारे लगाए और कार्यालय परिसर में पौधा रोपण किया।इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री कानुड़े ने कहा कि प्रकृति एक मां के समान हमारा पालन पोषण करती है। इसलिए हम सभी को अनिवार्य रूप से एक पौधा अपनी जन्मदायिनी माता के सम्मान में एक पौधा

लगाकर उसे संरक्षित भी करें। पौधारोपण के लिए प्रेरित करने वाले इस प्रकार के नारे लगाते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में पौधे रोपे । उपस्थित सभी कर्मचारियों ने लगाए गए पौधों के पेड़ बनने तक उसके संरक्षण और देखभाल का संकल्प भी लिया। शिक्षा विभाग के अधिकारी व कर्मचारी हाथों में पौधे उठाए हुए अति उत्साहित नजर आ रहे थे। सभी ने अपना अपना पौधा अपने हाथ में उठाकर स्वयं रोपा एवं ट्रिगार्ड लगाकर पौधों को सुरक्षित किया। इस अवसर पर सहायक संचालक सुश्री सोनालिका अचाले, योजना अधिकारी चंदर सिंह मंडलोई, झबर सिंह मंडलोई, हबीब बेग मिर्जा, राकेश गुप्ता, आफताब खान, श्रीमती गंगाजली चौहान, श्रीमती वंदना मंडलोई, श्रीमती सुलोचना पवार, श्रीमती मनीषा जोशी, श्री जितेंद्र पवार, श्री माखनलाल यादव, श्री कृष्णकांत नामदेव, जितेंद्र भास्कर, सुनील मुकाती, भूरेसिंह डावर, सुरेश मंडलोई, वीरेंद्र राठौर, उमेश निखोरिय

प्रदेश की लाड़ली बहनों को 10 अगस्त को मिलेगा राखी का उपहार

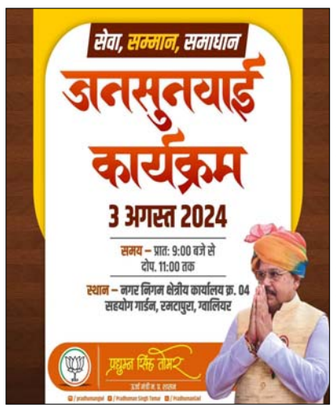

इस बार लाड़ली बहनों के खाते में आएंगे 1500 रुपये

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो
चीफ पुष्पांजलि टुडे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चित्रकूट में लाड़ली बहना उत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा कि सभी लाड़ली बहनों को 10 अगस्त को उनके खातें में सिंगल क्लिक से 1250 रूपये तथा रक्षाबंधन के उपहार के रूप में 250 रूपये अतिरिक्त दिये जायेंगे। इस प्रकार लाड़ली बहनों के खाते में इस माह 1500 रुपये आएंगे। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार तो 19 अगस्त को मनाया जायेगा। लेकिन पूरे सावन हम त्यौहार मनायेंगे। बहनों का स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिये हर जिलें में उत्सव आयोजित किये जा रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनें प्रेम के साथ भाईयों को राखी बांधकर स्नेह देती है। आज बहनों ने विशाल राखी बांधकर पहले ही मुझे रक्षाबंधन का आनंद दे दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के त्यौहार और पर्व एक-दूसरे को आपस में जोड़ते है। पूरी दुनिया भारत के पर्व को देखकर दंग रहती है। हमारे ऋषियों ने समाज में प्रेम और सदभाव बनाये रखने के लिए हजारो वर्ष पूर्व त्यौहार की परंपरा शुरू की थी। लाड़ली बहनों के खाते में 10 अगस्त को राशि हस्तातंरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण खरगोन जिले के सभी ग्राम पंचायतों में नगरीय निकायों में दिखाया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने जिले के सभी ग्रामों एवं नगरीय निकायों में 10 अगस्त के कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन ने राजनीतिक दबाव में तोड़ा पूर्व सरपंच रमेश त्यागी का मकान - रसाल सिंह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं रौन के पूर्व सरपंच रमेश त्यागी के वैध मकान को अतिक्रमण बताकर नेस्तनाबूद करने की भिण्ड जिला प्रशासन की कार्रवाई को राजनीतिक साज़िश बताते हुए पूर्व विधायक रसाल सिंह ने कड़ी निंदा की है।उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व प्रशासन द्वारा पूर्व सरपंच तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश त्यागी के मकान को अतिक्रमण बताकर अवैध तरीके से तोड़ा दिया था, जिसके बाद भिण्ड जिले की सियासत तब गर्मा गई जब रमेश त्यागी के मकान को तुड़वाने की साज़िश के आरोप भाजपा के ही जिले के एक विधायक पर लगाए जाने लगे।

अब इस घटना को लेकर पूर्व विधायक रसाल सिंह भी मैदान में उतर आए हैं। उन्होंने बकायदा पूर्व सरपंच रमेश त्यागी के घर पहुंचकर इस विपत्ति में उनके साथ खड़े होने का भरोसा दिलाया और कड़े शब्दों में निंदा करते हुए प्रशासन को चेतावनी दी कि शीघ्र ही इस मुद्दे पर आंदोलन किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन के दमनकारी नीतियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।पूर्व विधायक रसाल सिंह ने पूर्व सरपंच रमेश त्यागी के प्रशासन द्वारा तोड़े गए मकान की घटना की जानकारी ली तथा कहा कि हम आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं, अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों प्रशासन द्वारा राजनीतिक दबाव में की गई वैध मकान को अवैध बताकर तोड़ने की कार्रवाई की निंदा की और कहा कि प्रशासन ने गलत कार्रवाई की है, जहां अतिक्रमण है वहां उनको तोड़ना चाहिए था, लेकिन राजनीतिक दबाव में प्रशासन दमन चक्र चला रहा है। उन्होंने कहा कि रमेश त्यागी एक निष्ठावान समाजसेवी हैं, जब वह सरपंच थे, उन्होंने निष्पक्ष संघर्ष की पराकाष्ठा के साथ ग्राम पंचायत के विकास के लिए आगे आकर कार्य किया, लेकिन उन्होंने ऐसा कोई गलत कार्य नहीं किया और न ही उन्होंने शासन की एक इंच जमीन पर कब्जा किया। पूर्व विधायक रसाल सिंह ने कहा कि प्रशासन का दायित्व होता है कि जिन नेताओं ने शासकीय जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया है, उन्हें प्रशासन को तोड़ना चाहिए

सिर्वी समाज के गौरव पुष्प सीईओ लक्ष्मण राठौर 31 जुलाई को हुए सेवानिवृत्त

महेश्वर के देवराज पैलेस में आयोजित ऐतिहासिक बिदाई समारोह में राठौर को दी गई -सम्मान बिदाई

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

महेश्वर -कुक्षी तहसील के ग्राम लोणी में एक साधारण कृषक काना राठौर के यहां जन्म लेकर उच्च शिक्षा की प्राप्ति के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में 1983 में शासकीय सेवक के रूप में सहायक विकास विस्तार अधिकारी के पद से अपनी शासकीय सेवा की शुरुआत करने वाले लक्ष्मण राठौर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद तक का सफर तय किया। कर्मठता,समर्पण और ईमानदारी के 41 वर्ष की सफलतम शासकीय सेवा का सुखद प्रतिफल लक्ष्मण जी राठौर को मां अहिल्याबाई की पावन नगरी महेश्वर में 31 जुलाई बुधवार को सेवा निवृत्त पर ऐतिहासिक बिदाई समारोह के रूप में मिला। राठौर का बिदाई समारोह कोई साधारण विदाई समारोह न होकर एक

विशिष्ट बिदाई समारोह था। उन्हें जनपद पंचायत महेश्वर के कर्मचारियों द्वारा साफा व फुलमालाएं पहनाकर सुसज्जित बग्गी में बिठाकर ढोल-धमाकों के साथ नृत्य करते हुए जनपद मुख्यालय से देवराज पैलेस लाया गया। देवराज पैलेस महेश्वर के सभा हाल में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में महेश्वर विधायक राजकुमार मेव,जोबट के पूर्व विधायक माधोसिंह डावर,सेवा निवृत्त एसडीएम अम्बाराम पाटीदार,महेश्वर जनपद अध्यक्ष अशोक डावर,खरगोन जिला पंचायत की पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज्योति शर्मा,महेश्वर एसडीएम अनिल जैन, तहसीलदार राकेश सस्तिया,नगर परिषद सीएमओ,अखिल भारतीय सिर्वी महासभा मध्यप्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष सीए भगवान लछेटा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कालुराम लछेटा, केन्द्रीय समिति सदस्य हीरालाल देवड़ा,महेश्वर ट्रस्ट के संरक्षक देवानन्द मुलेवा बा साहब,पूर्व अध्यक्ष पृथ्वीसिंह सोलंकी,ओमप्रकाश परिहार, इन्दौर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष जगदीश काग सहित क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी,राठौर साहब के परिजन व शासकीय कर्मचारी बढ़ी संख्या में शामिल होकर राठौर साहब का स्वागत करते हुए उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। सेवा निवृत्त सीईओ लक्ष्मण राठौर ने अपने सम्मान के प्रति सभी का आभार व्यक्त किया। ये जानकारी हीरालाल सिर्वी द्वारा दी गई ।

: एक पेड़ मां के नाम अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधरोपण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वच्छ पार्क काली मंदिर गौरी के किनारा पर पौधरोपण किया। इस अवसर पर भाजपा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने नीम, मीठा नीम,अशोक एवं बेलपत्र पौधों का पौधारोपण किया।इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल पाठक, मंडल अध्यक्ष अमित जैन, जिला सह सोशल मीडिया प्रभारी शेखर खटीक,मंडल उपाध्यक्ष प्रशांत सोनी,मंडल उपाध्यक्ष प्रतीक पांडे,मंडल मंत्री सूरज बरुआ,युवा मोर्चा सह कोषाध्यक्ष सौरव पुलक,युवा नेता आशीष बोहरे,नरसिंह ताम्रकार ,प्रदीप मुद्गल,रोहित राजावत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकारी आदेश के बावजूद भी शहर में ज्यादातर स्थानों पर बेसमेंट में अभी भी संचालित हो रही है व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावी कार्रवाई का अभाव...

अंबाह... राज्य सरकार द्वारा बेसमेंटों में व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगाने के निर्देश के बाद भी उक्त नियम का अंबाह इलाके में पूरी तरह से पालन नहीं हो रहा है दस प्रतिष्ठानों को छोड़कर बाकी के तमाम प्रतिष्ठान बेसमेंट में संचालित हो रहे हैं जिन में तमाम दुकान और होटल शामिल है जिसकी तरफ अभी प्रशासन का ध्यान नहीं है नगर पालिका क्षेत्र में अधिकतर व्यावसायिक भवनों के बेसमेंट का अभी भी खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है। जिन बेसमेंट को वाहन पार्किंग के लिए बनाया गया था, उनमें कहीं दुकान, कहीं ऑफिस संचालित हो रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने दिल्ली कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की मौत की घटना से सबक नहीं लिया है।अगर अंबाह बाजार में सर्वेक्षण किया जाए तो कम से कम 150 दुकानों का कारोबार अंदरुनी तलघर मिल जाएंगा, जहां अधिकांश में सुरक्षा के जरूरी इंतजाम तक नहीं है। आशंका है जिस दिन कोई घटना हुई, शहर को बड़ा नुकसान झेलना पड़ेगा। ऐसा नहीं है कि बेसमेंट्स के अवैध उपयोग से जिम्मेदार नगर पालिका अनजान है। बीते वर्षो में बेसमेंट के दुरुपयोग और पार्किंग की जगह दुकान ऑफिस निर्माण के मुद्दे उठ चुके हैं।नगर पालिका ने भी समय-समय पर इनकी जांच की, नोटिस थमाए लेकिन हर बार की तरह दुकानदारों के मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अभी भी शहर में कई बेसमेंट का उपयोग पार्किंग की जगह अन्य गतिविधियों में हो रहा है। अधिकांश में दुकान, कमरे बनाकर मकान मालिक मोटी कमाई कर रहे हैं और अब इनमें दुकान, कार्यालय, गोदाम व कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं।

अन्याय और अत्याचार के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष करेंगे - डॉ. गोविन्द सिंह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

थाना प्रभारी भाजपा विधायक के एजेंट बनकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर मुकदमे लगाकर प्रताड़ति करने का काम कर रहे हैंभिण्ड । पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह जी लहार में 9 अगस्त हो रहे जंगी प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की दो महत्वपूर्ण बैठको में शामिल हुए,पहली बैठक का आयोजन लहार के मंगलम गार्डन में संपन्न हुआ,जिसमे डॉ. गोविन्द सिंह जी नें कहा भिंड जिले की लहार तहसील का प्रशासन भाजपा सरकार एवं लहार विधायक की कठपुतली बन गया। लहार विधायक के इशारे पर पुलिस प्रशासन निर्दोष लोगों पर मनमर्जी

कार्रवाई कर रहा है लेकिन हम किसी से डरने वाले नहीं है,9 अगस्त के बाद लहार थाने का घेराव किया जायेगा,दूसरी बैठक का आयोजन आलमपुर में कांग्रेस कार्यालय पर किया गया जिसमें डॉ. गोविंद सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कांग्रेस कार्यकर्ता किसी से डरने वाला नहीं है अन्याय और अत्याचार के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष करेंगे, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डराने धमकाने का काम किया जा रहा है,कांग्रेस कार्यकर्ता ना किसी के सामने झुका है ना झुकेगा,लहार, रावतपुरा,मछण्ड थाना प्रभारी विधायक के एजेंट बनकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे लगाकर जुल्म ढानें का काम कर रहे हैं कार्यकर्ता हमारे परिवार के सदस्य है उन पर जुल्म बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उनके लिए हम जेल भरो आंदोलन करेंगे विधानसभा क्षेत्र लहार में सरकार की तानाशाही नहीं चलने देंगे,भाजपा सरकार के विरोध में 9 अगस्त को लहार में होने वाले विशाल जंगी प्रदर्शन में इनके खिलाफ सड़कों पर संघर्ष प्रारंभ होने जा रहा है,डॉ सहाब नें कार्यकर्ताओं से बैठक में नारे भी लगवाये,जब जब जुल्मी जुल्म करेगा सत्ता के गलियारों से चप्पा चप्पा गूंज उठेगा इंकलाब के नारों से,दोनों बैठक में सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उद्योग एव सहकारिता समिति द्वारा सकारिता विभाग की विशेष बैठक संम्पन

बैंठक उपरान्त किया गया एक पेड मां के नाम योजना के तहत वृक्षा रोपण

विकास तिवारी

रीवा उद्योग एव सहकारिता समिति द्वारा सकारिता विभाग की विशेष बैठक सभापति डॉक्टर संगीता शर्मा की अध्यक्षता मे सदस्य देवेन्द्र शुक्ल, उपायुक्त सहकारिता, महाप्रबंधक कोआपरेटिव बैक, महाप्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम (नान), जिला प्रबंधक मारकफेड की व समति के सचिव जे.पी.तिवारी महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र रीवा की उपस्थित मे सभागार जिला सहकारी केन्द्रीय बैक सिविल लाइन मे संपन्न हुई।

बैठक की शुरुआत पर्यावरण संरक्षण की दिशा मे एक पेड मां के नाम अभियान अंतर्गत बैक परिषर मे पौधरोपण से हुई। समिति द्वारा सहकारिता विभाग की महत्वपूर्ण बैठक एजेडे की शुरुआत मे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अनाज वितरण उचित मूल्य की दुकानो से सही दिशा मे हो इसके लिए टीम गठित कर औचक निरीक्षण का निर्णय कर जाच उपरांत गलती पाये जाने पर कार्यवाही व सही दुकानदारो को प्रोत्साहित कर विवादास्पद दुकानो के विक्रेता की बदलाव पर भी निर्णय पारित किया गया। आगामी दिनो मे 9अगस्त को एक विस्तारित बैठक मउगंज व रीवा जिले की आयोजित कर किसानो को सरलता से ऋण वितरण,खाद उपलब्धता के साथ गरीबो को मिलने वाला खाद्यान्न सुगमता से प्राप्त हो इस पर विचार विमर्श कर जबाबदेही तय करने का संकल्प पास किया गया। समिति की सभापति डॉक्टर संगीता व सदस्य देवेन्द्र शुक्ल जी दवारा सेल्समैनो की कमी को देखते हुए नारी शक्ति वाले समूहो को दुकान संचालन दिया जाये इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने का प्रस्ताव परिचर्चा से पास किया गया।

सेल्समैनो की रूकी हुई वेतन पर महाप्रबंधक कोआपरेटिव बैक व समिति के कमीशन के साथ अभी से धान के वारदाने पर नान महाप्रबंधक से परिचर्चा तथा चाकघाट व जवा के डबल लाक मे खाद की कमी को जल्द पूरा करने पर मारकफेड विभाग दवारा जल्द ही पूरा करने का आश्वासन दिया गया। सहकारिता विभाग के अन्य महत्वपूर्ण विषयो पर चर्चा कर सभी एजेडो पर कार्यवाही कर अगली बैठक मे पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने के साथ आभार प्रदर्शन कर बैठकर समाप्ति की गयी।

गोविन्दगढ पुलिस की बडी कार्यवाही एटीएम कार्ड बदलकर लोगो से धोखाधड़ी करने वाले शातिर गिरोह गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। पुलिस अधीक्षक महोदय रीवा श्री विवेक सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय रीवा श्री अनिल सोनकर के निर्देशन मे उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) रीवा श्रीमति हिमाली पाठक के मार्गदर्शन में उप निरी.शिवा अग्रवाल के नेतृत्व मे एटीएम कार्ड बदलकर लोगो से धोखाधडी करने वाले दो आरोपियो को किया गिरफ्तार आरोपियो के कब्जे से 5 एटीएम कार्ड 4 मोबाइल फोन एवम नगदी व एक मोटरसाइकिल जप्त मामले का विवरण इस प्रकार से है कि दिनाँक 1./8/24 को फरियादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई की किसी अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एटीएम बदलकर मेरे पैसे निकाल लिए हैं जिसकी रिपोर्ट पर से थाना गोविंदगढ़ में अपराध क्रमांक 203/24 धारा 318(4),319(2) कायम कर विवेचना में लिया गया दौरान विवेचना एटीएम की सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबीरो से पता तलाश करने पर दिनांक 2.8.24 को विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई दो व्यक्ति उसी हुलिया के घूम रहे हैं तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर पकड़ा व नाम पता पूछने पर अपना संतोष पाठक, व सुनील पाल बताए जिनसे घटना के संबंध में पूछताछ किया तो घटना करना बताए जिन्हे गिरफ्तार कर थाने लाए

नाम गिरफ्तार आरोपी- 1.संतोष पाठक पिता भैयालाल पाठक 40 साल नि. रायपुर पट्टी जिला प्रतापगढ़ ह्वश्च 2. सुनील पाल पिता पंचमलाल 38 साल नि. सधईपुर श्वह्य पट्टी जिला प्रतापगढ़जप्त मशरूका .5 नग एटीएम कार्ड ,4 मोबाइल फोन एवम नगदी व एक मोटरसाइकिल जप्त की गई कुल कीमती 2 लाख रूपए

कार्यवाही करने वाली टीम:- उप निरी.शिवा अग्रवाल, उप निरी सुशील सिंह एएसआई .सुनील पाण्डेय एएसआई .आर .जी वर्मा आर.राहुल पाण्डेय,आर.उपेन्द्र सिंह,आर.दिवाकर तिवारी ,आर.कौशलेंद्र सिंह परिहार आर केपी सिंह ,सै. सुधाकर मिश्रा

विन्ध्य विकास के लिए रेलवे की नई सौगात, रीवा भोपाल के बाद कोलकाता के लिए चलेगी ट्रेन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। विन्ध्य क्षेत्र की लाइफलाइन सतना से सिंगरौली महत्वपूर्ण रेल परियोजना स्थिति की समीक्षा उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने की। उन्होंने कहा कि इसके बन जाने से विन्ध्य क्षेत्र का सीधा जुड़ाव कोलकाता से हो जाएगा। औद्योगिक गलियारा से जुड़कर और अधिक विकसित हो जाएगा यह रेलवे लाइन विकास के मार्ग को और भी मजबूत करता है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रशासन और रेलवे के अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर बाधा बनने वाली अड़चनों को दूर करें।

सीधी से सिंगरौली मार्ग में पड़ने वाले जंगलों में बिछेगी पटरी-डिप्टी सीएम ने कहा कि संयुक्त रूप से भ्रमण कर वस्तु स्थिति से अवगत होते हुए परियोजना मार्ग की समस्या को तत्परता से निराकृत कराएं। आगे उन्होंने कहा थी रेलवे मार्ग में आने वाले वन भूमि की उपलब्धता के लिए शासन के निर्देशानुसार कार्य करें ताकि

सीधी से सिंगरौली मार्ग में पड़ने वाले वन भूमि में रेलवे लाइन का कार्य आगे बढ़ा सके। टनल और नदियों में बनने वाले पुलो के टेंडर कराकर कार्य प्रारंभ करने के भी निर्देश दिए और सीधी के रेलवे स्टेशन निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव करने के लिए रेलवे अधिकारियों को निर्देशित किया है।

जून ङ्क जुलाई 2025 तक कार्य होगा पूरा?

डिप्टी सीएम ने कहा कि राजस्व अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि परियोजना के लिए चयन की गई भूमि में धारा 19 व धारा 23 के प्रकाशन की कार्रवाई कराकर जल्दी से संबंधित को मुआवजा भुगतान की कार्रवाई सुनिश्चित करें. सिंगरौली जिले के राजस्व टीम और रेलवे टीम का व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर कार्य की प्रगति को लगातार अपडेट करने के भी निर्देश दिए हैं और कहां है कि इस ग्रुप में उन्हें और महाप्रबंधक को भी जोड़ें. उनके द्वारा कहा गया कि प्रयास तो होगा कि जून या जुलाई 2025 तक कार्य पूरा हो जाए ताकि परियोजना का कार्य पूरा हो सके।

पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक क्या बोले-इस बैठक में पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय के द्वारा कहा गया कि प्रशासन की सहायता से रेलवे परियोजना में प्रगति मिलेगी डिप्टी सीएम के मार्गदर्शन में परियोजना अंतर्गत आ रही समस्याओं को दूर किया जाएगा और विन्ध्य क्षेत्र व रेलवे की इस महत्वपूर्ण परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास किया जाएगा.

झोलाछाप डॉक्टर बन रहे हैं काल,स्वास्थ्य विभाग मौन बैठा

अप्रिय घटना घटने के बाद खाना पूर्ति के लिए स्वास्थ्य विभाग का आदेश होता है जारी

दैनिक पुष्पांजली टुडे
विकास तिवारी

रीवा। गुढ़ विधानसभा के अंतर्गत में बहुत से गांव और पंचायते आती है लेकिन सबसे पहले अगर बात की जाए तो गुढ़ के आसपास के लगे गांव के अंतर्गत हॉट बाजार और चौराहे में 4 से 6 झोलाछाप डॉक्टर क्लीनिक खोलकर बैठे हैं जिनके दवाई से कोई ना कोई मरीज ठीक काम बीमार ज्यादा होता है और जान जाने की नौमत आ जाती है 10वीं 12वीं फेल यह झोलाछाप डॉक्टर दो चार महीने किसी झोलाछाप डॉक्टर के यहां ट्रेनिंग लेते हैं। फिर डॉक्टर बन बैठते हैं फिर मरीज के साथ इनका खिलवाड़ शुरू हो जाता है। इन झोलाछाप डॉक्टर का बखिरा पूरे गुढ़ में फैला हुआ है। विगत साल पहले गुढ़ में भी कई झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्यवाही हुई थी और कार्यवाही होने के बाद पुनः झोलाछाप डॉक्टर बन के आ गए इन झोलाछाप डॉक्टर ने गांव से आए हुए गरीब मजदूर और किसान अपने जाल में फसाते हैं। जैसे ही मरीज पहुंचता है इन डॉक्टरों द्वारा सबसे पहले बोतल चढ़ाया जाता है। मर्ज कोई भी हो सेवा बोतल से ही शुरू होती है। जब मरीज मरनासन्न हो जाते

हैं तो फिर तुरंत रीवा, नागपुर ले जाने की सलाह दी जाती है। पीड़ित मरीजों के अनुसार तब तक में 4 से 6 हजार तक एट लिया जाते हैं। यह सब इसलिए संभव हो पा रहा है कि रीवा जिले की स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जब कोई बड़ी घटना घटित होती है तो अपनी कुर्सी की नींद से उठकर आननङ्कफानन में दो-चार क्लिनिको में कार्यवाही करके फिर गहरी निद्रा में सो जाते हैं। और फिर कब उठेंगे इनको खुद नहीं पता रहता है। ऐसा ही हाल केवल रीवा में पदस्थ स्वास्थ्य विभाग के सुस्त पड़े अधिकारियों की वजह से हो रहा है।इन झोलाछाप डॉक्टरों का बढ़ावा मिला हुआ है। क्योंकि इन पर कभी कार्रवाई नहीं होती है। कार्यवाही केवल जिले तक ही सीमित रहती है। केवल जिले की ही कुछ चुनिंदा क्लिनिको को कार्यवाही करके उनको सील कर दिया जाएगा और इन झोलाछाप डॉक्टरों पर या गांव या देहात में स्वास्थ्य विभाग की नजर नहीं पड़ती जिसकी वजह से इन झोलाछाप डॉक्टरों का बोलबाला रहता है। यह गरीब मजदूर और किसानों को इन झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल में फसने का कारण केवल यही है की हर गांव में कुकुरमुते की तरह फैले हुए हैं और इन पर कोई कार्यवाही ना होना और उन गरीब और किसान के पास एक ऑप्शन होता है कि केवल उनको दवा चाहिए और दर्द से राहत और आराम मिले तो उनको केवल झोलाछाप डॉक्टर को दिखाई देता है ओर उनको दिखाना मजबूरी हो जाता है। लेकिन रीवा स्वास्थ्य विभाग आंख बंद करके मौन धारण किए हुए हैं जब कोई बड़ी घटना घटेगी तब पूरा प्रशासन जाग उठेगा गांव के सावर्हात नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग के जो अधिकारी एवं जिला प्रशासन से साफ़ कहा है कि गुढ़ क्षेत्र के आसपास में जगह-जगह क्लीनिक खोलकर जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले इन डॉक्टरों की अभिलंब जांच की जाए यदि समय रहते उनकी जांच नहीं की गई तो कभी भी बड़ी घटना घट सकती है जिसकी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन की होगी

लोकार्पण से पहले ही एयरपोर्ट के निर्माण की खुली पोल, बारिश से एयरपोर्ट की बाउड्री हुई धराशाई...

इसी माह के अंतिम दिनों में एयरपोर्ट के लोकार्पण की चल रही तैयारी... हल्की वारिश में ये हाल तो आगे क्या होगा,, एक और भ्रष्टाचार की खुली पोल...

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा एयरपोर्ट बनकर पूरी तरह से तैयार है। जिसका लोकार्पण अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में किया जाना है। पीएम मोदी रीवा एयरपोर्ट का वर्चुअली लोकार्पण करेंगे, ऐसी खबर हैं। लेकिन अब लोकार्पण से पहले ही एयरपोर्ट के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने ख? हो गये हैं।

दरअसल रीवा में पिछले दो दिनों से रिमझिम बारिश का दौर जारी है। अभी तक यहां झमाझम यानी कि तेज बारिश नहीं हुई है। बावजूद इसके निर्माण एजेंसी की पोल खुलने लगी हैं। रीवा में करो?ों रूपये की लागत से रीवा एयरपोर्ट को तैयार किया गया है। जहां सुरक्षा के लिहाजा से सैक?ों मीटर की बाउण्ड्री बाल बनाई गई है। तारों का जाल बिछाया गया है। लेकिन पहली बारिश में ही बाउण्ड्रीबाल धराशायी हो गई है। जिस वजह से अब एयरपोर्ट के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

ऐसे में अब लोगों के मन में तरह-तरह

के सवाल ख? हो रहे हैं। रिमझिम बारिश में जब रीवा एयरपोर्ट का ये हाल है तो कहीं तेज बारिश हुई तो क्या होगा। तेज बारिश हुई तो रीवा एयरपोर्ट से उ?ान भरने का सपना लोगों का धरा का धरा रह जाएगा।

अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में होना है लोकार्पण

खबरें यह भी है कि रीवा में नव निर्मित एयरपोर्ट का लोकार्पण अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में होना है। पीएम मोदी के हाथों वर्चुअली इस एयरपोर्ट का लोकार्पण किया जाना है। जिसके बाद से यहां हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। रीवा एयरपोर्ट पूरी तरह से बनकर तैयार है। कुछ तकनीकी खामियों की वजह से लोकार्पण में देरी हो रही है। जिसका कार्य तेजी से किया जा रहा है। ऐसे में रीवा एयरपोर्ट का कार्य एक तरफ तेजी से किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ से रीवा एयरपोर्ट धराशायी हो रहा है। जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता में भारी अनियमितता किये जाने की ओर इशारा कर रहा है। जो जांच का विषय है।

रीवा में देश दूनिया जैसा मामला, पति निकला निर्धन तो पत्नी ने फोन में दिया तलाक.. तलाक..तलाक

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा।अक्सर मुस्लिम समुदाय के पुरुषों को फोन पर तीन तलाक की बात सुनी होगी. मगर रीवा में एक ऐसी मुस्लिम महिला ने अपने पति को फोन पर तलाक दिया है इतना ही नहीं मौखिक तलाक के बाद शहर काज़ी ने महिला की दूसरी शादी करवा दी। जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जहां एक महिला के द्वारा अपने पति को फोन कर तीन तलाक दिया गया अब महिला का पहला पति और पिता पिछले चार महीना से पुलिस और मुस्लिम धर्म गुरुओं के चक्कर काट रहे हैं. 29 जुलाई को शहर काजी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचे। आरोप है कि शहर काजी ने जन्नत के सपने दिखाकर महिला को बहकाया फिर पैसे लेकर बगैर किसी की परमिशन के ही तीन तलाक कर उसका दूसरा निकाह करवा दिया।

दूसरी तरफ शहर काजी मुफ्ती मुबारक हुसैन का कहना है कि लिखित तलाक जरूरी नहीं होता है. मौखिक तलाक के ही इस्लाम मानता है। काजी का यह कहना है कि अगर उनके पास कोई आएगा तो उन्हें शरण के हिसाब से ही सलाह देंगे।पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करने से पहले महिला का पहला पति और पिता ने प्रयागराज के मुफ्ती से पूछा था कि क्या शादीशुदा और दो बच्चों की मां बिना पति और पिता से मसीरा किए मौखिक तलाक

दे सकते हैं?इलाहाबाद के मुफ्ती ने फतवा जारी कर कहा कि जिस काजी ने महिला का दूसरा निकाह करवाया है वह गलत है। मतलब इस्लामी कायदे कानून में इसकी कोई जगह नहीं है पुलिस और कानून के जानकारों का कहना है कि तीन तलाक कानून बनने के बाद अब मौकि तलाक भी नहीं दिया जा सकता।

आवश्यक हैअगर अनजाने में भी किसी कानून का बंधन करते हैं तो आप आरोपी की श्रेणी में आ जाते हैं इसलिए मेरी सभी से यह आग्रह है कि नियम कानून को समझ कर ही कोई स्टेटमेंट दें और कार्य करें।पति निकला निर्धन तो पत्नी ने दिया तीन तलाकतलाकशुदा पति मोहम्मद अजीज खेती किसानी और बकरी सप्लाई का कार्य करता है। अजीज के पांच भाई हैं जो खेती किसानी ,इलेक्ट्रॉनिक का कार्य करते हैं एक भाई पुलिस में भी है इस पूरे मामले में फोन पर तलाक देने वाली महिला का कहना है कि पति की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी इसलिए मैंने तलाक दिया.पहले पति के साथ अब मैं नहीं रहना चाहती मैं दूसरा निकाह कर लिया है इसलिए अब मैं अपने दूसरे पति के साथ खुश हूं और मैं पहले पति के पास नहीं रहना चाहती.आपको बता दें महिला का दूसरा पति मोहम्मद नफीस अपने पिता का इकलौता बेटा है और उसके पास जेसीबी मशीन है और उसके पिता मोहम्मद नासिर मीट का कार्य करते हैं।

उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल के जन्म-दिवस पर विशेष

सादगी, प्रेम और सरलता से सम्पन्न असाधारण व्यक्तित्व राजेन्द्र शुक्ल

विवेक तिवारी
पुष्पांजली टुडे

राजेन्द्र शुक्ल मध्यप्रदेश के राजनीतिक क्षितिज में दैदीप्यमान वह प्रकाशपुंज हैं जो उज्जवल भविष्य, चहूँओर विकास को प्रदर्शित करता है। उनका नाम, विकास का भविष्योन्मुखी सोच का परिचायक है। उनकी दूरदर्शी सोच और उस सोच को धरातल में लाने की दृढ़ इच्छाशक्ति और जुझारू व्यक्तित्व उन्हो विशेष बनाता है। जन-जन के विकास के लिए बिना-रुके, बिना- थके सतत प्रयासरत श्री शुक्ल की विनम्रता उनके व्यक्तित्व को असाधारण बनाती है। शिखर पर पहुँचने के बाद भी विनम्र बने रहना सबसे बड़ा गुण है। जहां तक राजेन्द्र शुक्ल जी का सवाल है, उन्हें विनम्रता का पर्याय कहना किसी भी तरह की अतिशयोक्ति नहीं होगी।

निःस्वार्थ सेवा, अथक परिश्रम, गहन समर्पण, अटूट निष्ठा, जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदा तत्परता और लक्ष्य की ओर निरंतर यात्रा ने उन्हें भीड़ में अलग पहचान दिलाई है। वे नवोन्मेषी विचारक हैं। उनके अंतरात्मा में विचारों की निरंतरता हमेशा गतिशील रहती है। उनके नवाचार की ऊष्मा हर पल नए और विशिष्ट विचारों का जन्म देती रहती है। चुनौतियों और लक्ष्यों से लड़ने की दृढ़ शक्ति उनमें निहित है। सौंपे गए दायित्वों को कुशलता से निभाने की क्षमता का आकलन कर विरोधी भी उनकी प्रशंसा किए बिना नहीं रहते हैं। कैसी भी बाधाएँ समस्याएँ आ जायें, बिना समय व्यर्थ किए, बिना विचलित हुए वे सदैव समाधान के लिए प्रयास करते हैं। उनका मानना है कि ÷अगर आप समाधान का हिस्सा नहीं है, तो आप खुद एक समस्या हैं।÷

वे मानते हैं कि ÷श्रमेण सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः÷ अर्थात श्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं, मात्र इच्छाओं से नहीं। लक्ष्य प्राप्ति के लिए सतत प्रयास करना सोच से भी महत्वपूर्ण है। सतत प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। यहाँ रश्मिरथी का यह उद्धरण प्रासंगिक है-

÷खम ठोक ठेलता है जब नर, पर्वत के जाते पांव उखड़,
मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है...÷

राजेन्द्र शुक्ल जी का जीवन संघर्ष और सेवा का जीवंत उदाहरण है, जो हमें प्रेरणा देता है कि कैसे कठिनाईयों और संघर्षों के बीच भी एक व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है और समाज के लिए आदर्श बन सकता है। श्री राजेन्द्र शुक्ल के व्यक्तित्व की उदारता, सहृदयता, संवेदनशीलता और सज्जनता के अद्भुत संयोजन में ऐसा व्यक्तित्व निर्मित हुआ है, जिसने सरल, सहज, उदार, स्नेही व्यक्तित्व की नई इबारत लिखी है। विशाल व्यक्तित्व के धनी का सशक्त पहलू व्यापक विचारधारा है। उनकी चिंतन क्षमता ने उनके व्यक्तित्व में व्यवहारिकता और अध्यात्मिकता का अनूठा संयोजन किया है। उनकी सफलताओं का आधार उनके करिश्माई व्यक्तित्व और अनूठी सोच है। विचारों की व्यापकता का रूचि-नीति में भी परिलक्षित होती है। उनका यहीं सेवा-भाव जरूरतमंद की मदद करने में दिखता है। श्री शुक्ल में सेवा-संकल्प का समर्पित भाव, चुनौतियों की जिद और जूनून के साथ सामना करने का जज्बा उनके व्यक्तित्व के ऐसे पहलू हैं, जिन्होंने राजनीति को सेवा नीति में बदल दिया है। एक योगी की तरह हर आम-खास की बात, समस्या सुनना, मनन करना और जरूरतमंदों की सेवाभाव से मदद करना उनकी प्राथमिकता में रहता है। उनका यह ऐसा गुण है, जिसमें आम ÷जन÷ के ÷मन÷ से उनका एक गहरा और आत्मीयता पूर्ण रिश्ता बन जाता है।

श्री राजेन्द्र शुक्ल को कभी अपनी छवि निर्माण के लिए प्रयास नहीं करने पड़े। उनके कर्मठ व्यक्तित्व और सरल विनम्र स्वभाव ने उनकी छवि को इतना पख्ता कर दिया है कि उसे

धुंधला कर पाना संभव नहीं है। श्री शुक्ल के व्यक्तित्व का प्रभावी पहलू उनकी विशिष्ट संवाद क्षमता है। वे सीधे और सहज भाव से श्रोताओं के साथ सीधा सम्पर्क स्थापित कर उनकी समस्याओं का निदान करते हैं। सीधे संवाद की विशिष्ट क्षमता, विचारों की व्यापकता व्यवहार की सहजता, व्यक्तित्व की विशालता का अद्भुत संयोजन का ही नाम श्री राजेन्द्र शुक्ल हैं।

श्री राजेन्द्र शुक्ल असाधारण व्यक्ति वाले आम आदमी है। वे दिखते साधारण है लेकिन उनका व्यक्तित्व असाधारण रूप से विशाल और प्रतिभा संपन्न हैं। मानवीय संवेदनाओं, अनुभूतियों से उदार गुणों से भरा दिल है जो हर पल पीड़ति मानवता की सेवा के लिए धड़कता है। वे कार्यों पर जितनी चौकस निगाह रखते हैं, उतनी उनको चिंता है कि दरवाजे पर आए गंभीर रोग से पीड़ति और हर दुखियारे की मदद कर उसका दुःख-दर्द दूर किया जाए। सहजता, सरलता, सौम्यता, शुचिता के साथ ही तत्परता और त्वरित गति से जन-समस्याओं का निराकरण; ये वे गुण होते हैं जो राजनीति के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्ति को एक ऊँचे मुकाम तक पहुँचाते हैं। विन्ध्य की धरती पर जन्में श्री राजेन्द्र शुक्ल के जीवन और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व में ऐसे ही गुणों का समावेश है, जो सार्वजनिक जीवन में और राजनीति में काम करने की विशेषताएँ होती है, राजनीति उनके लिए सेवा का भाव रही है।

मानव-सेवा के लक्ष्य शिरोधार्य-श्री शुक्ल ने पिता समाजसेवी स्व. श्री भैयालाल शुक्ल के गुणों और संस्कारों का अनुसरण करते हुए स्वयं को ढाला। धीर-गंभीर ऋषि-मुनि मानव सेवा के लक्ष्य में एक तपस्वी की तरह लीन रहना उनका लक्ष्य है। उनकी सेवा भावना की तपस्या को कभी किसी पद का लालच भंग करने का साहसी ही नहीं जुटा पाया है। मानव-सेवा के लक्ष्य को शिरोधार्य कर अनवरत प्रयासरत हैं।

कर्मयोगी की साधना

श्री राजेंद्र शुक्ल का जन्म और प्रारंभिक शिक्षा रीवा, मध्यप्रदेश में हुई। रीवा में 3 अगस्त 1964 को जन्में श्री राजेन्द्र शुक्ल ने युवा अवस्था में ही राजनीति के प्रति अपनी रुचि बता दी थी, जब वे वर्ष 1986 में रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए। वर्ष 1992 में युवा सम्मेलन का आयोजन करने में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही। वे लायंस क्लब रीवा के लंबे समय से सदस्य रहे हैं। भाजपा मध्यप्रदेश की कार्य समिति के सदस्य और मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल के डायरेक्टर भी रहे हैं। श्री शुक्ल ने वर्ष 1998 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण की और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाए गए। व्यवसाय कृषि, तैराकी के शौकीन पहली बार वर्ष 2003 में विधानसभा के लिए चुने गए और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आवास एवं पर्यावरण रहे। उसके बाद उन्होंने निरंतर अपनी विजय को बरकरार रखा। योग्य, कुशल प्रबंधन और प्रशासनिक क्षमता के धनी श्री शुक्ल को जब भी जो जिम्मेदारी सौंपी गई, उन्होंने प्रबंधन कौशल का बेहतर प्रदर्शन कर उसे परिणाममूलक बनाया। अपने बेहतर प्रबंधन से राजनेताओं के सामने श्री शुक्ल ने अपनी पहचान को नए-नए आयाम दिए। विवादों से दूर रहकर बिना शोरगुल के काम करते रहने की नीति पर वे चले। राजनीति को राष्ट्र हित में रखते हुए वे राष्ट्रवादी चिंतन के साथ अपने कदम को आगे बढ़ाना चाहते हैं। श्री शुक्ल को तीन कार्यकाल में मंत्रीमंडल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली। वे मंत्री पद की कसौटी पर भी सदैव खरे उतरे। नेतृत्व के प्रति निष्ठा और राज्य सरकार के लक्ष्यों और कार्यक्रमों को पूरा करने की प्रतिबद्धता श्री शुक्ल की विशेषता है। उनकी कर्मठता और लक्ष्य के प्रति संकल्पबद्धता को शब्दों के रूप में पिरोने के लिए बशीर बद्र की यह ग़ज़ल प्रासंगिक है-

÷जिस दिन से चला हूं मेरी मंज़िल पे नज़र है,
आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा ज÷

श्री शुक्ल वर्ष 2008 में तेरहवीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन, जैव विविधता तथा जैव प्रौद्योगिकी, खनिज साधन, विधि और विधायी कार्य और ऊर्जा मंत्री रहे। वर्ष 2009 में ऊर्जा एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का प्रभार संभालने के पश्चात, श्री शुक्ल ने गुजरात की ग्राम ज्योति योजना से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश में भी अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के माध्यम से प्रदेश में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के लक्ष्य को हासिल किया गया। ऊर्जा मंत्री के रूप में बिजली संकट जूझते हुए मध्यप्रदेश को रोशन करने की उन्हें चुनौती मिली। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप उन्होंने प्रदेश को बिजली संकट से उबारा। आज मध्यप्रदेश सरप्लस बिजली

राज्य के रूप में खड़ा है। वर्ष 2012 में उन्हें मंत्री ऊर्जा, खनिज साधन बनाया गया। वर्ष 2013 में चौदहवीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए और मंत्री, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, खनिज साधन, जनसम्पर्क, वाणिज्य, उद्योग और रोजगार, प्रवासी भारतीय विभाग का मंत्री बनाया गया। श्री शुक्ल ने जनसंपर्क मंत्री के रूप में भी एक अलग पहचान स्थापित की। पत्रकारों के हित में अनेक योजनाओं को अमली जामा पहनाया। श्री शुक्ल ने उद्योग तथा खनिज विभाग के दायित्व को बखूबी निभाया। वे प्रदेश में औद्योगिक क्रांति का संकल्प लेकर राज्य में उद्योगों का जाल बिछाने का पर कार्य किया। खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना तथा राजस्व वृद्धि करने में सफलता पायी। वर्ष 2018 में चौथी बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए। श्री शुक्ल ने 26 अगस्त 2023 को कैबिनेट मंत्री के पद की शपथ ग्रहण की। मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जनसंपर्क विभाग रहे। वर्ष 2023 में पांचवीं बार विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए और 13 दिसम्बर 2023 को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वर्तमान में प्रदेश के हर क्षेत्र हर नागरिक तक सुलभ और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच स्थापित करने के लिए वे कार्यरत हैं।स्वास्थ्य क्षेत्र में अधोसंरचना विस्तार, चिकित्सकीय और सहायक चिकित्सकीय मैनपॉवर और उपकरणों की उपलब्धता के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उनका लक्ष्य मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य के विभिन्न मानकों पर देश में शीर्ष पर ले जाना है। यह लक्ष्य बड़ा चुनौतीपूर्ण हैं पर कहते हैं नज

÷कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता,
एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों÷
निःसंदेह कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था ज़िम्मेदार और कुशल हाथों में है। इसके सुखद परिणाम शीघ्र ही परिलक्षित होंगे।

विंध्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हर क्षेत्र में किए प्रयास

रात-दिन विन्ध्य के विकास का सपना देखने वाले श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपनी जन्म-भूमि विन्ध्य के विकास के प्रति अपने दायित्व को बखूबी निभाया। उन्होंने विन्ध्य क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा पर्यटन विकास को अपनी प्राथमिकता में रखा है। अपने क्षेत्र के विकास के लिए उनके ड्रीम प्रोजेक्ट्स मुकुन्दपुर व्हाईट टाईगर सफारी, चाकघाट से इलाहाबाद और हनुमना से बनारस फोर-लेन का निर्माण, हवाई पट्टी अथवा गुढ़ में विश्व का सबसे बड़े 750 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना हो। श्री शुक्ल ने रीवा के चौतरफा विकास में विशेष रुचि ली है। इसी के चलते रीवा विकास शहर के रूप में उभरा है। रीवा सहित पूरे विन्ध्य को यातायात और संचार के साधन मिलने के लिए उन्होंने कायाकल्प करने का संकल्प लिया है। रीवा बायपास न होने से यातायात अव्यवस्था से दुर्घटनाएँ होती थीं। चोरहटा से रतहरा बायपास बनवाकर रीवा में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ किया। श्री शुक्ल ने अपने समाजसेवी पिता स्व. श्री भैयालाल शुक्ल की प्रेरणा से रीवा में स्थित लक्ष्मण बाग गौ-शाला को आदर्श गौशाला बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अपनी तमाम व्यस्तता के बाद भी श्री शुक्ल लक्ष्मण बाग गौ-शाला में जाकर गायों की सेवा कर अपने पिता स्व. श्री भैयालाल शुक्ल जी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

उनके नेतृत्व और प्रयासों से रीवा और विन्ध्य क्षेत्र को नई पहचान मिली है और वे निरंतर अपने क्षेत्र के विकास के लिए कार्यरत हैं। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री रहते हुए, उन्होंने रीवा में एशिया के सबसे बड़े सोलर प्लांट की स्थापना की और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकार्पित किया। श्री शुक्ल ने व्हाइट टाइगर को विन्ध्य क्षेत्र के मुकुन्दपुर वन क्षेत्र में वापस लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह क्षेत्र 46 वर्षों से व्हाइट टाइगर से वंचित था, जो कि विन्ध्य क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण राजनैतिक और भावनात्मक मुद्दा रहा है। वर्ष 2014 में स्थापित इस जू में आज भी हजारों देशी-विदेशी पर्यटकों का आकर्षण बना हुआ है।

श्री शुक्ल रीवा सहित विंध्य क्षेत्र के विकास के कार्यों में सदैव सक्रिय रहे हैं। रीवा में एयरपोर्ट सुविधा के लिए उनके प्रयास फलीभूत हुए और विध्य की देश के अन्य हिस्सों से कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। वे संभागीय मुख्यालय को महानगर बनाने की दिशा में भी सक्रिय हैं। उनके मंत्रिमंडल कार्यकालों के दौरान, वाणसागर के पानी से रीवा और विंध्य क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा में सतत वृद्धि हुई है। श्री शुक्ल के प्रयासों से रीवा में तालाबों और जल संरचनाओं का सौंदर्यीकरण और पुनरुद्धार हुआ है। उन्होंने सड़क, पुल, रिंग रोड, मठ, मंदिर, तीर्थ स्थलों का जीर्णोद्धार भी करवाया है। उन्होंने खाली पड़ी एवं अनुपयोगी जमीनों में पार्क और बागों का निर्माण करवाया है। रीवा विधानसभा के 41 गांवो को डी.पी.आई.पी. से जोड़कर करीब 42 स्वसहायता समूह के माध्यम से 41 गांवो में मछली पालन, सब्जी उत्पादन, दुग्ध डेयरी सहित अन्य रोजगार हेतु करीब 20 करोड़ से अधिक की राशि ग्रामीणों को उपलब्ध कराई गयी। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में तेज गति से विकास हुआ।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी विशेष अभिरुचि रही है। जगह-जगह वृक्षारोपण और ईको-पार्क, नगर वन तथा एपीएस वन का निर्माण करवाया है। युवाओं के खेलकूद के लिए उन्होंने विश्व स्तरीय मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया। बीहर नदी में रिवर फ्रंट का निर्माण भी उनके प्रयासों का परिणाम है। श्री शुक्ल के प्रयासों से संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। माखनलाल विश्वविद्यालय के रीवा परिसर की स्वीकृति, भवन निर्माण एवं संचालन के कार्य को मूर्तरूप देने का कार्य किया। रीवा विधानसभा में करीब 50 से अधिक विद्यालय भवन विहीन थे विद्यालय पेड़ो के नीचे संचालित थे। अभियान चला कर भवन निर्माण करवाया। 50 वर्ष से उन्नयन की बाट जोह रहे 5वीं से 8वीं करीब 25 विद्यालयों का उन्यन कराया गया। शिक्षा और संस्कृति के प्रति यह उनका समर्पण प्रदर्शित करता है। श्री राजेंद्र शुक्ल गौ-सेवा के कार्यों के लिए सदैव प्रयासरत रहे हैं। उनके द्वारा गौ-सेवा में जनमानस की सहभागिता एवं प्रयासों को आर्थिक रूप से लाभकारी बनाने की दिशा में प्रयास किए गये हैं। बसामन मामा गौ-अभयारण्य गायों की देखभाल और संरक्षण के उत्कृष्ट प्रयासों का मूर्त मॉडल है।

श्री शुक्ल स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता के महत्व को जानते हैं और सदैव इस दिशा में प्रयास करते रहे हैं। श्री शुक्ल के नेतृत्व में स्वच्छ रीवा-स्वस्थ रीवा मिशन के तहत नगर पालिक निगम रीवा में करीब 20 से अधिक सुलभ शौचालय का निर्माण कराया गया है, साथ ही अभियान चलाकर नगर नगर पालिक निगम रीवा के अन्तर्गत जितने भी शुष्क शौचालय थे उनके स्थान पर जलरहित शौचालय निर्माण आन्दोलन चलाया गया था। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए उन्होंने ज़िला चिकित्सालय का उन्नयन, सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण और चिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किये हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मज़बूत करने के लिए वे सतत प्रयास कर रहे हैं, ताकि हर क्षेत्र के नागरिकों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभता से प्राप्त हो सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौ वन्य विहार अभ्यारण्य की यज्ञशाला में आयोजित बैठक में वन्य विहार के विकास कार्यों की समीक्षा की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौ वन्य विहार अभ्यारण्य की यज्ञशाला में आयोजित बैठक में वन्य विहार के विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ माता पवित्रता की पराकाष्ठा होती है। गाय ही एक मात्र ऐसी जीव है जिसके गोबर और गोमूत्र का उपयोग पूजा में किया जाता है। इस पूरे क्षेत्र में गौ माता के आशीर्वाद से ही विकास के कई बड़े कार्य पूरे हुए हैं।

बसामन मामा गौ वन्य विहार प्रोजेक्ट प्रदेश में अपनी तरह की अनूठी परियोजना है। गौमाता के आशीर्वाद से यह परियोजना सफल होकर निराश्रित गौवंश को आश्रय देने के लिए पूरे देश का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस गौ वन्य विहार में गौवंश को आश्रय देने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे। गौ वन्य विहार को गोबर गैस और सोलर प्लांट के माध्यम से ग्रीन एनर्जी का सेंटर बनाएंगे।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ वन्य विहार में छः हजार से अधिक गौवंश को आश्रय दिया गया है। संयुक्त संचालक पशुपालन वन्य विहार में कार्यरत गौ सेवकों का मानदेय एक हजार रुपए प्रतिमाह बड़ाएं। गौशाला के गोबर से कम्प्रेस्ट गोबर गैस बनाकर नगर निगम को सप्लाई करें। इससे नगर निगम के वाहन चलाए जाएंगे। गौशाला के सभी शेडों में सोलर सिस्टम स्थापित करके सौर ऊर्जा का उत्पादन कराएं। गोबर गैस और सौर ऊर्जा से वन्य विहार को अच्छी आय होगी। गौशाला के गोबर से गुणकारी खाद, गोनाइल तथा अन्य उत्पाद बनाकर भी अतिरिक्त आय प्राप्त करें। इससे गौशाला से जुड़ स्वसहायता समूहों को स्वरोजगार के अवसर मिलने के साथ गौशाला को अतिरिक्त आय होगी। बसामन मामा गौ वन्य विहार पूरे देश के लिए मॉडल बनेगा । जिले में गंगेव विकासखण्ड के हिनौती में भी 1300 एकड़ में वन्य विहार के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। यहाँ लगभग 50 हजार गौवंश को आश्रय मिलेगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने पेयजल व्यवस्था, सौर ऊर्जा प्लांट तथा गौशाला के प्रशासनिक भवन का निर्माण कार्य एक माह में पूरा कराने के निर्देश दिए। बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री ने गौ माता की पूजा कर गौ ग्रास खिलाया। उप मुख्यमंत्री ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान में पौधे रोपित किए। बैठक में पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी ने कहा कि 54 एकड़ के पथरीले और उजाड़ भूखण्ड में बसामन मामा गौ वन्य विहार की आधारशिला रखी गई थी। कुछ ही समय में यहाँ जन भागीदारी, जन सहयोग तथा ग्रामीण विकास विभाग एवं वन विभाग के सहयोग से सुंदर वन्य विहार का विकास तेजी से किया जा रहा है। यहाँ जन भागीदारी से 6 करोड़ रुपए से अधिक के निर्माण कार्य कराए जा चुके हैं। गौशाला के निर्माण के साथ यहाँ स्टॉप डैम और तालाबों का निर्माण भी कराया गया जिससे इस वर्ष पानी का कोई संकट नहीं रहा। वन्य विहार की गौमाताओं के आशीर्वाद से ही पुर्वा प्रपात में विकास के कार्य, सड़क तथा पुल का निर्माण कराया गया। बैठक में विधायक प्रतिनिधि श्री राजेश पाण्डेय ने रीवा दुग्ध संघ के गठन तथा दुग्ध सहकारी समितियों को सशक्त कर दूध का संग्रहण बड़ाने का सुझाव दिया।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर उत्पात्त करने वाले व आम लोगों को परेशान करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर कोतवाली पुलिस द्वारा जुलूस निकालकर असामाजिक तत्वों को चेताया

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - शिवपुरी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पार्क, आमजनो के घूमने कि लिये बने स्थानो पर पुलिस बल उपलब्ध कराने एवं आमजनो को कोई परेशानी न हो इसके लिए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी व्दारा निर्देशित किया गया है जो कि आज दिनांक 02-08-24 को सूचना मिली कि सूबात मस्जिद के पास माधव चौक पर दो व्यक्ति सन्नू पुत्र स्वं जगदीश खटीक उम्र 32 साल नि0 सइसपुरा एवं भूरा पुत्र रामदास जाटव उम्र 35 साल नि0 फिजीकल चौकी के नीचे उत्पात कर रहे है एवं दीनदयाल रसाई के सामने पुराना बस स्टेण्ड शिवपुरी पर पवन पुत्र ब्रजवल्लभ शर्मा उम्र 35 साल नि0 इन्द्राकालोनी बदरवास एवं बल्लू साहू पुत्र धनीराम साहू उम्र 32 साल नि0 घडियाली मोहल्ला करैरा

शिवपुरी के उत्पात कर रहे है जो तत्काल ही पुलिस टीमों द्वारा दविश दी गई जो मौके से आरोपीगण उत्पात करते मिले जिससे लोगो में भय का वातावरण उत्पन्न हुआ जो चारो व्यक्तियों को तत्काल ही कमशः इस्त0 के0 85,86,87,88/24 धारा 170,126/135(3) बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया एवं आरोपियों को एसडीएम न्यायालय पेश किया गया। चारो आरोपी व्दारा थाना पर भविष्य में लडाई झगडा न करने की बात स्वीकार की एवं भविष्य मै अच्छी तरह रहना बताया थाना कोतवाली पुलिस व्दारा सार्वजनिक क्षेत्रों व आमजनों के घूमने वाले स्थल पाकों व मुख्य चौराहो पर लगातार पुलिस बल तैनात किया जाकर असामाजिक तत्वों के विरुध्द कार्यवाही की जा रही है जो निरंतर जारी रहेगी।

सराहनीय भूमिकाः.

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली रोहित दुबे, प्र0आर0 792 रविन्द्र सिनोरिया, प्र0आर0 634 बीरबल, प्र0आर0 686 मनीष पचौरी, आर0 774 राघवेन्द्र, आर0 103 जगदीश, की विशेष भूमिका रही।

सहदेव सिंह चंदेला बने तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ तहसील अध्यक्ष

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

मुरैना- तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्य प्रदेश जिला मुरैना के जिलाध्यक्ष रामनरेश डंडोतिया की उपस्थिति में सहदेव सिंह चंदेला कों मुरैना इकाई का अध्यक्ष सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया है इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रामनरेश दंडोतिया, जिला सचिव नीतीश कुमार बंसल,उप प्रान्तध्यक्ष लघु वेतन कर्मचारी संघ राममूर्ति शर्मा ,सहदेव सिंह चंदेल,राजेंद्र पचौरिया, राम भरत गुर्जर,मिथुन गुर्जर, असलम कुरैशी,राजीव शर्मा,शाहिद बानो गगन शर्मा, राखी गुप्ता, लक्ष्मी गुर्जर आदि कर्मचारी नेता सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहे! इसी क्रम में एक वृक्ष माँ के नाम पर शा.मा.वि.चम्बल कालोनी मुरैना में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया!

पेड़ बचाओ पेड़ लगाओ...प्रकृति को हमारी जरूरत नहीं हैं। हमें प्रकृति के साथ की जरूरत है । हमारे पास सिर्फ़ एक दुनियां हैजिसे भविष्य के लिए बचाकर रखना है।प्रकृति है तो हम है...!!

जल, जंगल, जमीन हमारा शुद्ध जीवन है ग्रीन मुरैना क्लीन मुरैना

हाल ही में हुई घटनाओं को लेकर आमजन से अपील, कोई भी नागरिक कुएं में न जाएं

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- अभी हाल ही में कुछ जिलों में हुई घटनाओं को देखते हुए राहत आयुक्त द्वारा सभी जिलों को निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि कोई भी नागरिक कुंए के अंदर न जाएं, क्योकि कुएं की गहराई में कार्बन मोनो आक्साईड जैसी जहरीली गैसे पाई जाती है, जिससे व्यक्ति तत्काल मुर्छित हो जाता है और मृत्यु भी हो जाती है।

विगत दिनों प्रदेश में कुएं के अंदर जाने से कुछ व्यक्तियों की दर्दनाक मृत्यु हो गई है, यह घटना 25 जुलाई को कटनी तथा 2 अगस्त को छतरपुर जिले में घटित हुई है। यह दोनों घटनाएं अत्यत हीं हृदय विदारक है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। इसे ध्यान में रखते हुए आमजन को जागरूक होना जरूरी है। कोई भी अपनी जान जोखिम में ना डाले और कुएं में प्रवेश न करें।

सीएमएचओ डॉ. उपाध्याय ने नवीन सिविल अस्पताल जौरा का किया निरीक्षण

मुरैना। सीएमएचओ डॉ. पदमेश उपाध्याय ने सिविल अस्पताल जौरा के नवीन का निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्व विधायक श्री सूवेदार सिंह रजौधा सहित बीएमओ, अन्य निर्माण एजेन्सी के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सीएमएचओ डॉ. पद्मेश उपाध्याय हाल ही में नव-निर्मित सिविल अस्पताल विकासखंड जौरा के नवीन भवन का निरीक्षण करने पहुंचे। यह भवन लगभग 10 करोड़ की लागत से बनाया है। नवीन सिविल अस्पताल में 30 बिस्तरों की सुविधा, ओटी के दो रूम बनाए गए हैं। विशेष बात यह भी है कि यहां फायर सेफ्टी से भवन को सुसज्जित किया गया है। अस्पताल की बिल्डिंग में वाटर रिचार्जिंग की भी सुविधा है, 30 बिस्तरों वाले इस भवन में ओपीडी के लिए 10 रूम बनाए गए हैं। मरीजों के लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था भी की गई है। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. पद्मेश उपाध्याय ने अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। कुछ जगह छोटी-मोटी कमियां दिखीं, उनको शीघ्र ही पूर्ण करने के निर्देश दिये। सीएमओ ने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. आरएस सैमिल को भी नवीन भवन में सामान शिफ्ट करने निर्देश दिए।

सीएमएचओ ने विलगांव सब सेंटर का किया निरीक्षण-

सीएमएचओ डॉ. उपाध्याय ने बिलगांव सब सेंटर का भी निरीक्षण किया। यहां पर दो हाई रिस्क महिलाओं की आईडी अनकंप्लीट थी, उसे तत्काल कंप्लीट करने के निर्देश दिए

जिले में अब तक 373.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

मुरैना। मुरैना जिले में 01 जून से 02 अगस्त, 2024 तक 373.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 45.6 मिलीमीटर वर्षा अधिक है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 328.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना श्री सैयद मुज्जफर अली ने बताया कि जिले में 01 जून से 02 अगस्त तक सर्वाधिक 495 मिलीमीटर वर्षा जौरा में दर्ज की गई है। मुरैना में 431.4, पोरसा में 427, कैलारस में 367, सबलगढ़ में 282.5 और अम्बाह तहसील में सबसे कम 240 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई हैं। 02 अगस्त, शुक्रवार को सर्वाधिक 17 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में दर्ज की गई है। जौरा में 7 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

महिलाओं पर बढ़ते गंभीर अपराध

मध्य प्रदेश में दिन प्रतिदिन महिलाओं के साथ अपराध बढ़ते जा रहे हैंद्य प्रदेश के हर जिले में महिलाओं के देहिक शोषण अनवरत जारी है द्य अपराधियों के हौसले दिन प्रतिदिन बुलंद होते नजर आ रहे हैंद्य यदि आपराधिक आंकड़ों पर गौर करें तो शायद ही ऐसा कोई दिन होगा जिस दिन महिलाओं पर गंभीर अपराध के प्रकरण पंजीबद ना हो इस तरह की घटनाओं से प्रदेश की छवि धूमिल हो रही हैद्य पुलिस की कार्य प्रणाली पर भी सांवलिया निशान लगने लगे हैंद्य देखा जाता हैद्य कि सरकार एवं पुलिस के द्वारा सख्त कदम उठाए जाने की बातें कहीं जाती हैंद्य लेकिन हकीकत की नजर डाली जाए तो बहुत सच्चाई देखने को मिल जाएगी अपराध का ग्राफ तेजी से इजाफा हो रहा हैद्य अपराधियों की हिम्मत देखो कि घर में घुसकर हथियारों की नौक पर वारदात को अंजाम दिया जा रहा हैद्य आखिर पुलिस अपराधियों के गिरिवान तक क्यों नहीं पहुंचती हैद्य यदि पुलिस चाहे तो अपराधियों को कठोर कार्रवाई की जा सकती हैद्य लेकिन पुलिस की लापरवाही की वजह से और उनके ऊपर मुकदमा दर्ज न कर करना यही अपराध की मुख्य वजह हैद्य कोई भी अपराधी हो यदि अपराध सिद्ध होता हैद्य तो उसके ऊपर शक्तिशाली कदम उठाए जाने की जरूरत हैद्य तभी अपराध को रोका जा सकता हैद्य जिससे प्रदेश में खुशहाली और अमन शांति का माहौल कायम हो सकें।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के आयोजन में प्राचीन शिव मंदिर नैपरी में पत्रकार, अध्यक्ष, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किया वृक्षारोपण

चंबल गौरव/कैलारस - मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में आज 02 जुलाई को एम.एस.रोड़ नवीन पुल नैपरी के पास प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण में अभियान के अंतर्गत पोधारोपण का आयोजन किया। जिसमें सभी अतिथियो, अधिकारियों, कर्मचारीयो एवं ग्रामीणों ने वृक्षारोपण किया। और मंदिर प्रांगण के अलावा अन्य स्थानों पर भी अलग -अलग जगह लगभग 75 पेड़ लगाए। जिसमें आंवला,बांस, जामुन,नीबू,अन्य फलदार, छायादार पेड़ लगाए गए हैं और पेड़ बड़े होने तक उनकी देखभाल करने की भी वरिष्ठ पत्रकार जगदीश हरदैनियां ने जिम्मेदारी ली।आम लोगों को भी अधिक से अधिक पेड़, पौधे लगाने के लिए जागरुक किया।वही पेड़ पौधे बचाव हेतु अपना संदेश देते हुए विजेन्द्र सिंह परमार कृषि उपज मण्डी सचिव कैलारस ने कहा कि आज हमें हरे, भरे पड़े पौधौ बचायें रखना चाहिए, अधिक से अधिक पेड़ -पौधे लगाओं, पर्यावरण बचाओ। एक समय कोरोनाकाल में ऑक्सीजन की कमी थी वह ऑक्सीजन कहां -कहां से प्राप्त कर मरीजों को उपलब्ध कराई थी ठीक उसी प्रकार हम सबको पेड़ लगाना चाहिए।यह ऑक्सीजन अमूल्य है जो हमें पेड़ों से मिलती है। पेड़ ,पौधो हमारे पर्यावरण को भी संतुलित बनाए रखते हैंतभी हमारा आगे आने वाला कल बेहतर हो सकता है, बेहतर कल के लिए पेड़,पौधौ जीवित बनाये रखना बहुत जरूरी है समय -समय पर वृक्षारोपण निरंतर करते रहना चाहिए। पेड़ -पौधे प्रकृति की अनोखी देन है जो हमारे जीवन को शुद्ध वायु (ऑक्सीजन) देने के अलावा विभिन्न प्रकार की औषधियां,फल, फूल, छाया आदि हमारे जीवन जीने के लिए महत्वपूर्ण आवश्यक वस्तुएं प्रदान करते हैं इसलिए सभी लोगों को अपने घर के आसपास और जहां भी वृक्षारोपण करने हेतु भूमि है,वहां पर भी निरंतर वृक्षारोपण करते रहना चाहिए। हर व्यक्ति को अपने जीवन में वृक्षारोपण करना अति आवश्यक होता है और ऐसी आस्था का प्रतीक होता है कि एक वृक्ष लगाना, उसकी सुरक्षा करना सौ पुत्रों के समान होता है। पेड़ लगाते समय मुख्य अतिथि आरती आकाश गुर्जर अध्यक्ष जिला पंचायत मुरैना, राजेंद्र शुक्ला भाजपा नेता, बनवारी लाल शुक्ला, विश्राम बघेल तहसीलदार, डॉ. शोभाराम मिश्रा , विजेंद्र सिंह परमार कृषि उपज मंडी सचिव कैलारस, सुनील खैमरिया थाना प्रभारी कैलारस,उनि.रामचंद्र गुप्ता,कद ईयालाल, अरुण शर्मा मंडी कर्मचारी, मयंक शर्मा, जगदीश शुक्ला वरिष्ठ पत्रकार जोरा, गिर्राज हरदैनियां, सहित समस्त ग्रामीणजन शामिल रहे। और अंत में कार्यक्रम के आयोजक जगदीश हरदैनियां वरिष्ठ पत्रकार द्वारा सभी अतिथियों का माला पहनाकर, पुष्पभेंटकर, स्मृति चिन्ह देकर, स्वाफा पहनकर, सभी का स्वागत सम्मान किया।

अंजनी सक्सेना कायस्थ गौरव मुंशी प्रेमचंद सम्मान से सम्मानित

विदिशा। श्री कायस्थ सभा द्वारा कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध लेखिका श्रीमती अंजनी सक्सेना को कायस्थ गौरव मुंशी प्रेमचंद सम्मान से सम्मानित किया गया। श्रीमती सक्सेना सुलतानपुर किरण एवं ऋषि मीमांसा की नियमित लेखिका एवं देश की सुप्रसिद्ध फीचर एजेंसी विभूति फीचर्स की संपादक तथा संचालक है। श्रीमती सक्सेना को यह सम्मान विभिन्न समाचार पत्र पत्रिकाओं, न्यूज पोर्टल एवं वेबसाइटों पर उनके लेखों के प्रकाशन के लिए दिया गया है। वे ख्यातिलब्ध पत्रकार स्वर्गीय श्री दिनेश चंद्र वर्मा की पुत्री हैं। इस कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान चित्रगुप्त एवं मुंशी प्रेमचंद के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन से किया गया। श्री कायस्थ सभा के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, सचिव अखिलेश सक्सेना, कोषाध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव एवं महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शैलेन्द्र खरे ने मुंशी प्रेमचंद के जीवन पर प्रभावी एवं ओजस्वी उद्बोधन दिया। इस अवसर पर वयोवृद्ध कायस्थ पुरोधा एस. एस. श्रीवास्तव

मंच पर विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में कवि जगदीश श्रीवास्तव, युगल श्रीवास्तव, राजेन्द्र श्रीवास्तव, अशोक खरे, दिनेश श्रीवास्तव, ज्ञानेन्द्र मोहन सिन्हा, प्रदीप वर्मा (सोना), महेन्द्र वर्मा, ब्रज श्रीवास्तव, सुरेन्द्र श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, उपेन्द्र मोहन श्रीवास्तव , राममोहन सिन्हा , नीरज कनौजिया, डॉ. हेमन्त, राजेन्द्र सक्सेना, दिनेश सक्सेना, महेश श्रीवास्तव, प्रतिमा श्रीवास्तव, ज्योति श्रीवास्तव, प्रदीप निगम, अनुपम जौहर्गरी, श्रीमती सुमन श्री, राहुल श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव (महिला मंडल अध्यक्ष), प्रतिभा खरे, श्रीमती ममता श्रीवास्तव, श्रीमती निर्मला सक्सेना, श्रीमती चारु सक्सेना, श्री अनिल खरे, श्री अशोक सक्सेना, बी सुधीर श्रीवास्तव, महेन्द्र श्रीवास्तव श्री धर्मेन्द्र सक्सेना , डॉ. पियूष श्रीवास्तव, राजकुमार श्रीवास्तव, श्री असा हजेला, रविशरण मुडैया, अनिल श्रीवास्तव, रविन्द्र सक्सेना, दीपक श्रीवास्तव, विजय वर्मा, चन्द्र प्रकाश सक्सेना, तेजनारायण श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव, अमन सक्सेना, शमा श्रीवास्तव, हर्षित श्रीवास्तव, हर्ष श्रीवास्तव, रित्रिक श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, चित्रांश श्रीवास्तव, विपुल श्रीवास्तव,कु. चारु सक्सेना एवं अर्चित सक्सेना भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अभिनय वर्मा ने किया । कार्यक्रम में श्रीमती निर्मला वर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित थीं।

मिलावट खोरों पर होगी कड़ी कार्यवाही

मुरैना। उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर में दाखिल अवमानना याचिका क्रमांक दिनांक 15 जुलाई के तहत खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने एवं सतत् मोनिटरिंग के लिये दो सदस्यी कमेटी का गठन किया गया है जिसमें रिटायर जज श्री संजय चतुर्वेदी एवं रिटायर आ.ई.एस. श्री बी.एम. शर्मा होंगे। यह कमेटी की पहली बैठक गत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर के कार्यालय में आयोजित की गयी, जिसमें चम्बल तथा ग्वालियर संभाग के सभी जिलों के अभिहित अधिकारी एवं नोडल खाद्य सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में चैकिंग पॉइंट बनाकर गाड़ियों से परिवहन हो रहे खाद्य पदार्थों की जांच की जाए।सूचना तंत्र मजबूत किया जाये। जिले में अधिक मिलावट पाए जाने वाले क्षेत्रों को चिहिन्त कर वहां अधिक से अधिक निरीक्षण कर नमूने संग्रहित किए जाए। आम जन अपनी पहचान उजागर किए बिना मिलावट संबंधी शिकायत दर्ज करा सकें, इस के लिए सिस्टम को बनाया जाए। खाद्य सुरक्षा प्रशासन अभिहित अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय ने बताया कि मुरैना जिले में शिकायत हेतु व्हाटसअप नंबर 9238387709 उपलब्ध है। आम जन अपनी शिकायत इस नंबर पर दर्ज करा सकते हैं। बैठक में मुरैना जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती किरण सेंगर उपस्थित थी

8 चीजें जिन्होने बदल दी आपकी

जीवन शैली

कभी आपने इस बात पर गौर किया है कि आज से दस-पंद्रह वर्ष पहले तक आपके बैंक का काम कैसे होता था, बच्चों के स्कूल कॉलेज में एडमिशन फॉर्म कैसे भरे जाते थे, उनका रिजल्ट कैसे देखा जाता था, आप रेलवे का रिजर्वेशन कैसे करवाती थीं, ऑफिस में कामकाज का तरीका कैसा था, शॉपिंग कैसे होती थी.. न जाने ऐसे ही कितने सवालों की लंबी सूची है, जिनका जवाब आज के संदर्भ में बिलकुल बदल गया है।

ग्लोबलाइजेशन, विज्ञान-तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आ रहे बदलाव और सूचना क्रांति ने भारतीय समाज को इस तरह प्रभावित किया है कि कुछ वर्षो में ही भारतीय समाज और जीवनशैली में इतना जबर्दस्त बदलाव आ गया है कि उसका स्पष्ट प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में नजर आता है। चाहे वह रहन-सहन और खानपान की शैली हो या फिर लोगों के कामकाज और सोचने का तरीका। पहले की तुलना में सब कुछ बहुत तेजी से बदल रहा है। बदलाव की इस दौड़ में समाज का हर वर्ग पूरे जोशखरोश के साथ शमिल है क्योंकि सभी को यह मालूम है कि आज जो इंसान वक्त के साथ कदम मिलाकर नहीं चलेगा वह पिछड़ जाएगा।

हमारी जीवनशैली पर किन बातों ने सबसे अधिक प्रभाव डाला है, आइए डालते है उन पर एक नजर।

ज्यादा पुरानी बात नहीं है।90 के दशक तक गिने-चुने लोगों के पास ही मोबाइल होता था और इनकमिंग कॉल्स भी पेड होती थीं। किसी को भी लोग अपना मोबाइल नंबर बताने से हिचकिचाते थे। पर अब मोबाइल समाज के हर तबके के लिए सर्वसुलभ है। आज आप अपने घर पर काम करने वाली घरेलू नौकरानी के मोबाइल पर फोन करके उससे आसानी पूछ सकती है
कि उसके आने में अभी कितनी देर है।

मोबाइल से एस.एम.एस. की नई संस्कृति विकसित हुई है, जो युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय है। क्योंकि इससे कम खर्च और कम समय में आप दूसरों तक अपना संदेश पहुंचा सकते है। इसके जरिये एक-दूसरे को बधाई संदेश और जोक्स भेजने का चलन तो पुराना हो चुका है। अब युवाओं के बीच मोबाइल के जरिये चैटिंग काफी लोकप्रिय हो रहा है। फोटो खींचने, रिकॉर्डिंग करने और गाने सुनने के लिए तो मोबाइल का इस्तेमाल होता ही है। अब थ्री जी मोबाइल उपलब्ध है, जिनमे इन फीचर्स के अलावा कई नई सुविधाएं उपलब्ध हैं और यह आपके लिए कंप्यूटर का भी काम करता है।

मोबाइल ने युवाओं के बीच प्रेम की अभिव्यक्ति को भी बहुत आसान बना दिया है। इस संदर्भ में 36 वर्षीय आई.टी. प्रोफेशनल नितिन जोशी कहते है, एक दशक पहले अगर किसी लड़की को 'आई लव यू' बोलना होता था तो हम दस बार सोचकर भी हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। लेकिन मोबाइल के कारण आज के युवाओं के लिए यह बहुत आसान हो गया है।

कंप्यूटर के नए रूप

याद कीजिए जब पूरे ऑफिस में सिर्फ एक अदद कंप्यूटर होता था। जिस पर बारी-बारी से सभी अपना हाथ आजमाते थे। कंप्यूटर तब एक हौवा हुआ करता था, हमेशा लोगों के मन में यही डर बना रहता था कि सिस्टम छूते ही कहीं कोई गड़बड़ी न हो जाए। इसमें कोई ताज्जुब नहीं कि विशालकाय और ब्लैक एंड व्हाइट स्क्रीन वाले कंप्यूटर्स जल्द ही म्यूजियम की शोभा बढ़ाने लगेंगे। कलर्ड टीएफटी मॉनिटर और आधुनिकतम सॉफ्टवेयर्स से लैस कंप्यूटर अब हमारी जरूरत बन चुके है। कवि योगेन्द्र मौद्गिल कहते है, %अब वे दिन लद गए जब लेखक और कवि लिखने के लिए कागज और कलम पर आश्रित रहते थे। पिछले आठ वर्षो से मैंने लिखने का हाइटेक तरीका अपना लिया है, जब सारी दुनिया आगे बढ़ रही है तो हम क्यों पीछे रहे। इससे हम अपनी रचना का बड़ी आसानी से संपादन कर सकते है और उसे सुरक्षित रख सकते है। अब मैं लंबी यात्रा के दौरान मैं आराम से लेखन कार्य कर पाता हूं।% अब पॉम टॉप कंप्यूटर ने जीवन को और भी आसान बना दिया। आपकी हथेलियों के बीच समा जाने वाले इस छोटे कंप्यूटर से आप जब और जहां चाहे वहां बैठ कर अपने ऑफिस के सारे काम निबटा सकते है।

आज कंप्यूटर समाज के हर वर्ग की जरूरत बन चुका है गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ गांवों में स्वयंसेवी संस्थाओं में काम करने वाली अल्पशिक्षित स्त्रियां भी अपने कामकाज के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल करने लगी है। यह बदलाव निश्चय ही सुखद है।

मोबाइल

ज्यादा पुरानी बात नहीं है।90 के दशक तक गिने-चुने लोगों के पास ही मोबाइल होता था और इनकमिंग कॉल्स भी पेड होती थीं। किसी को भी लोग अपना मोबाइल नंबर बताने से हिचकिचाते थे। पर अब मोबाइल समाज के हर तबके के लिए सर्वसुलभ है। आज आप अपने घर पर काम करने वाली घरेलू नौकरानी के मोबाइल पर फोन करके उससे आसानी पूछ सकती है कि उसके आने में अभी कितनी देर है।

मोबाइल से एस.एम.एस. की नई संस्कृति विकसित हुई है, जो युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय है। क्योंकि इससे कम खर्च और कम समय में आप दूसरों तक अपना संदेश पहुंचा सकते है। इसके जरिये एक-दूसरे को बधाई संदेश और जोक्स भेजने का चलन तो पुराना हो चुका है। अब युवाओं के बीच मोबाइल के जरिये चैटिंग काफी लोकप्रिय हो रहा है। फोटो खींचने, रिकॉर्डिंग करने और गाने सुनने के लिए तो मोबाइल का इस्तेमाल होता ही है। अब थ्री जी मोबाइल उपलब्ध है, जिनमे इन फीचर्स के अलावा कई नई सुविधाएं उपलब्ध हैं और यह आपके लिए कंप्यूटर का भी काम करता है।

मोबाइल ने युवाओं के बीच प्रेम की अभिव्यक्ति को भी बहुत आसान बना दिया है। इस संदर्भ में 36 वर्षीय आई.टी. प्रोफेशनल नितिन जोशी कहते है, एक दशक पहले अगर किसी लड़की को 'आई लव यू' बोलना होता था तो हम दस बार सोचकर भी हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। लेकिन मोबाइल के कारण आज के युवाओं के लिए यह बहुत आसान हो गया है।

इंटरनेट

इंटरनेट के माध्यम से आने वाली सूचना क्रांति ने समय और दूरी की सारी सीमाओं को तोड़ दिया है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसने हमारी प्रोफेशनल लाइफ को ज्यादा आसान और व्यवस्थित बना दिया है। अब पहले की तरह बिजली के बिल का भुगतान, रेलवे के रिजर्वेशन और एल.आई.सी. का प्रीमियम जमा करने के लिए आपको घंटों लाइन में लगने की जरूरत नहीं है। इंटरनेट बैंकिंग से आपका यह काम मिनटों में नाममात्र के खर्च से पूरा हो जाता है। स्कूल कॉलेज में एडमिशन के लिए भी अब आसानी से ऑनलाइन आवेदन पत्र दाखिल किए जा सकते है। हाई स्कूल और कॉलेज के स्टूडेंट आसानी से अपना रिजल्ट इंटरनेट पर देख सकते है। ऐसा नहीं है इस आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल सिर्फ युवा पीढ़ी ही करती है। बल्कि आजकल बड़ी तेजी से बुजुर्ग भी इंटरनेट का इस्तेमाल सीख रहे है। दिल्ली की 19 वर्षीया स्वाति रंगराजन कहती है, 'पिछले वर्ष जब मेरी दादी हमारे घर पर आई थीं तब मैंने उन्हे इंटरनेट का इस्तेमाल सिखा दिया था। अब वह चेन्नई जाकर वहां से मेरे साथ अकसर चैटिंग करती है।' इंटरनेट की सोशल नेटवर्किंग साइट्स और ब्लॉगिंग की सुविधा ने दूर बैठे लोगों के बीच संवाद कायम करने और भावनाओं की अभिव्यक्ति की पूरी आजादी दी है।

आज इंटरनेट पर फेसबुक और ऑरकुट जैसे कई सोशल नेटवर्किंग वेब साइट्स मौजूद है, जिनके माध्यम से आप अपने स्कूल-कॉलेज के पुराने दोस्तों के साथ दोबारा संवाद स्थापित कर सकते है।

ईएमआई की सुविधा

इन दिनों भले ही आर्थिक मंदी का दौर चल रहा हो लेकिन पिछले एक दशक में विदेशी और देशी बैंकों ने जहां एटीएम मशीनों के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली को आम लोगों के लिए सुविधाजनक बनाया है, वहीं ईएमआई के माध्यम से आसान किस्तों पर लोन उपलब्ध कराया है। जिससे लोगों की जीवनशैली में बहुत तेजी से बदलाव आया। पहले लोग रिटायरमेंट के बाद अपनी सारी जमा पूंजी लगाकर मकान या फ्लैट ले पाते थे, लेकिन अब युवाओं के लिए आरामदायक जीवन की सारी सुख-सुविधाएं जुटाना बेहद आसान हो गया है। इससे निम्न मध्यम वर्ग तेजी से मध्यम और मध्यम वर्ग उच्च मध्यम वर्ग में प्रवेश कर रहा है। आज अच्छी नौकरी करने वाला 25 वर्ष का युवक भी शादी करने से पहले ही अपने लिए फ्लैट और कार खरीद लेता है। पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। कुल मिलाकर इससे आम लोगों का जीवन स्तर तेजी से ऊपर की ओर उठ रहा है।

टूरिज्म का बदलता स्वरूप

पहले छुट्टियों में सपरिवार घूमने जाना अच्छी-खासी मशक्कत का काम होता था लेकिन अब ट्रैवल एजेंसियां सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटन स्थलों के लिए भी किफायती पैकेज टूर की व्यवस्था करवाती है। इससे पर्यटन के प्रति आम लोगों के मन में काफी दिलचस्पी पैदा हुई है। अब वे दिन गए जब छोटे शहरों में रहने वाला आम इंसान विदेश के नाम पर सिर्फ नेपाल जाने की हिम्मत जुटा पाता था। आजकल थाइलैंड, सिंगापुर, मलेशिया जाने वाले मध्यवर्गीय पर्यटकों की तादाद में तेजी से वृद्धि हो रही है। आज की अति व्यस्त जीवनशैली और मल्टीनेशनल कंपनियों की ऊंची तनख्वाह ने समाज में एक ऐसे तबके को जन्म दिया है, जो छुट्टियों का इस्तेमाल घूमने-फिरने के बजाय आराम और स्वास्थ्य लाभ के लिए करना ज्यादा पसंद करता है। इसी के कारण हेल्थ टूरिज्म और रिसॉर्ट में छुट्टियां बिताना आधुनिक जीवनशैली का अहम हिस्सा बन गया है।

शॉपिंग मॉल्स

आज केवल महानगर ही नहीं, छोटे शहरों में भी तेजी से शॉपिंग मॉल्स खुलते जा रहे है। इससे भारतीय जीवनशैली में बहुत जबरदस्त बदलाव आया है। अब लोगों के लिए शॉपिंग केवल आसान ही नहीं, दिलचस्प भी हो गया है। एक ही कॉम्प्लेक्स में खरीदारी, बच्चों के खेलने, फिल्में देखने और खाने-पीने की सुविधाएं होने के कारण अब लोग पूरे परिवार के साथ शॉपिंग का पूरा लुत्फ उठाते है। कम समय में और उचित कीमत पर अब लोगों को बिना किसी परेशानी और थकान के अच्छी क्वालिटी की चीजें उपलब्ध होती है। इसके साथ ही आज बड़े से बड़े विदेशी ब्रैंड का शोरूम और ईटिंग आउटलेट इन मॉल्स में आसानी से देखा जा सकता है। इसलिए अब विदेशी ब्रैंड्स के प्रोडक्टस भी आम मध्यवर्गीय लोगों तक आसानी से पहुंच पा रहे है।

मॉल संस्कृति ने समाज के मध्यवर्ग को पहले की तुलना में कहीं ज्यादा 'फन लविंग' बना दिया है। अब मौज-मस्ती, घूमना-फिरना, परिवार और दोस्तों के साथ लंच या डिनर पर अकसर बाहर जाना शहरी मध्यवर्गीय जीवनशैली का अटूट हिस्सा बन गया है।

जिम

पिछले दस वर्षो में आम लोगों के बीच सेहत और फिटनेस को लेकर काफी जागरूकता आ गई है। पहले सिर्फ महानगरों में गिने-चुने जिम होते थे और उन तक सिर्फ उच्चवर्ग के लोगों की पहुंच होती थी। आज हर छोटे-बड़े शहर में हेल्थ क्लब और जिम आसानी से देखे जा सकते है। जहां वर्कआउट करने वाले लोगों में स्त्रियों की संख्या बहुत ज्यादा होती है। इसी तरह लोगों के खानपान की शैली बहुत तेजी से बदल गई है। आज लोग कम कैलरी वाली स्वास्थ्यवर्धक चीजों, जैसे ऑर्गेनिक फल-सब्जियां, अनाज, लौ फैट चीज, मक्खन, ब्राउन ब्रेड, शुगर फ्री मिठाइयां रोस्टेड नमकीन आदि आज के शहरी मध्यम वर्ग के भोजन में शामिल हो चुका है। अपार्टमेंट संस्कृति

बढ़ती आबादी और जगह की कमी ने सिर्फ दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में ही नहीं बल्कि लखनऊ-पटना जैसे मंझोले आकार के शहरों में भी लोगों को अपार्टमेंट में रहने पर मजबूर कर दिया है। यह बहुत बड़ा बदलाव है क्योंकि जहां हम रहते है, उस वातावरण का गहरा प्रभाव हमारे पूरे व्यक्तित्व पर पड़ता है। मजबूरी में ही सही लेकिन इससे लोगों के बीच पहले की तुलना में कहीं ज्यादा सिविक सेंस पैदा हुआ। अब लोग यह समझने लगे है कि अगर हमारे घर में पार्टी है तो हम अपने शोर से पड़ोसियों की नींद नहीं खराब कर सकते। अपार्टमेंट संस्कृति ने लोगों की जीवनशैली को काफी हद तक सुव्यवस्थित कर दिया है क्योंकि कम जगह में आराम के साथ रहने की पहली शर्त है-सुव्यवस्थित होना। अब इस बात की कल्पना नहीं की जा सकती कि मकान का बड़ा कमरा पुरानी चीजों से भर कर रखा जाए और हम उन्हे देख कर अतीत की यादों को ताजा करते रहे। अब जिंदगी में पुराने सामान ही नहीं बल्कि पुराने रिश्तों के लिए भी जगह कम होती जा रही है। आपर्टमेंट संस्कृति संयुक्त परिवारों के टूटने का बड़ा कारण है। इसने एकल परिवार वाले एक ऐसे वर्ग को जन्म दिया है, जो रोजगार की तलाश में गांव से छोटे शहरों या वहां से महानगरों में आ बसा। समय और स्थान काअभाव इस वर्ग को उसकी अपनी जमीन से दूर खींच ले गया। समाज का यह तबका अपनी जीवनशैली में महानगरीय स्मार्टनेस और वहां की व्यक्तिवादी सोच को तेजी से शामिल कर रहा है।

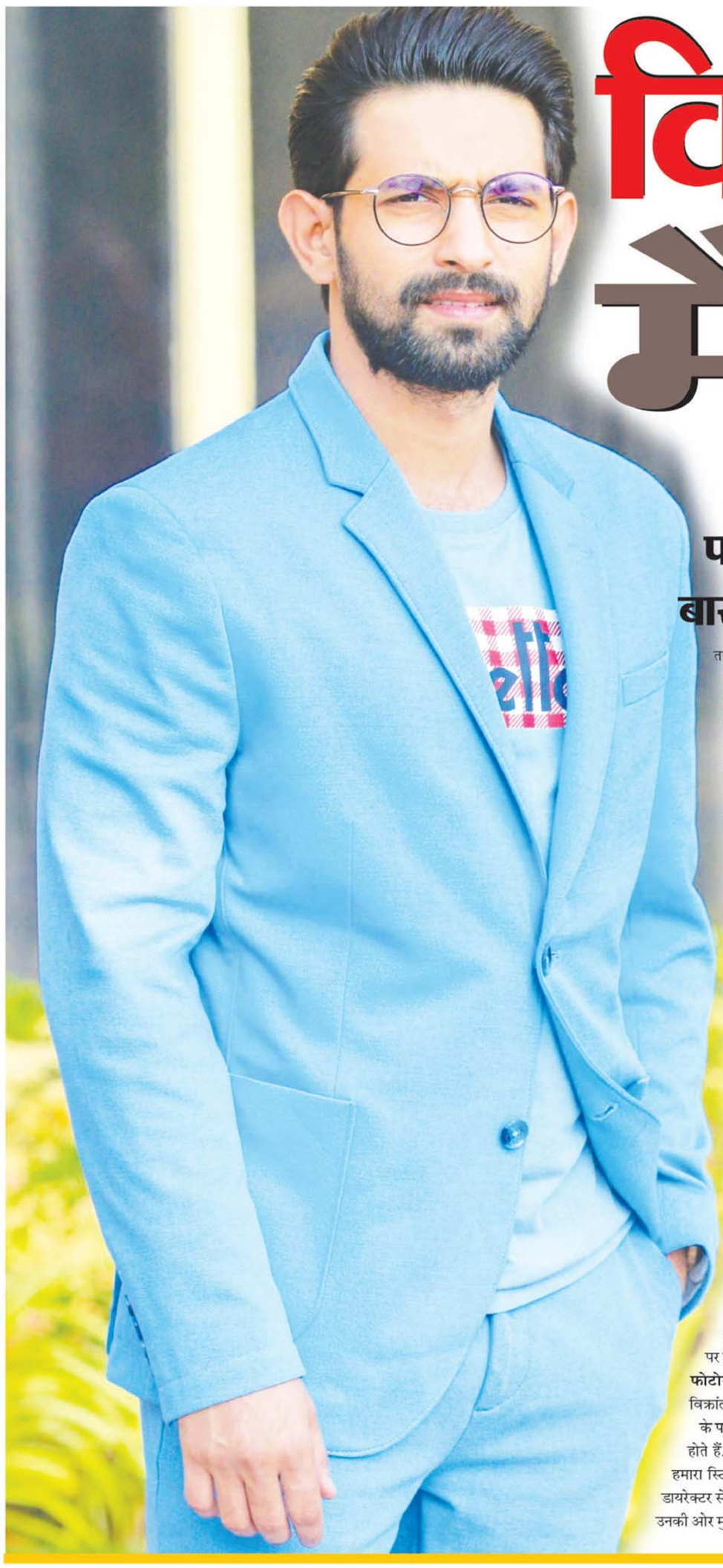

विक्रांत मैसी

की इस हरकत से बेहद परेशान हैं तापसी पन्नू, कई बार सेट पर ही पड़ चुकी है डांट

तापसी पन्नू इन दिनों अपनी फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' को लेकर सुर्खियों में हैं. इस फिल्म में उनके साथ विक्रांत मैसी, सनी कौशल और जिमी शेरगिल लीड रोल में नजर आएंगे. ये फिल्म 7 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है. ऐसे में फिल्म की टीम इस समय इसके प्रमोशन में लगी हुई है. इसी बीच विक्रांत मैसी और सनी कौशल ने एक इंटरव्यू में तापसी पन्नू के व्यवहार को लेकर बात की और बताया कि उन्होंने फिल्म के सेट पर कैसे किसी को नहीं बख्शा था.विक्रांत मैसी, सनी कौशल और तापसी पन्नू तीनों एक इंटरव्यू के लिए पहुंचे. जहां उनसे सवाल किया गया कि उन तीनों में से सेट पर सबसे ज्यादा कौन लेट आता था? इस पर जवाब देते हुए तापसी ने कहा कि वो इसमें नहीं थी. लेकिन विक्रांत ने इस बात को माना कि वो सेट पर अक्सर लेट पहुंचते थे. इसके साथ ही ये भी बताया कि इस वजह तापसी ने उन्हें कई बार डांटा था. तभी ये सुनकर सनी कहते हैं, लेकिन तापसी ने किसे नहीं डांटा है?

विक्रांत को पड़ी डांट

इसके बाद विक्रांत ने साल 2020 में आई 'हसीन दिलरुबा' के समय को याद करते हुए कहा, हम जिस होटल में ठहरे थे, वो सेट से सिर्फ पांच मिनट की पैदल दूरी पर था. हम दोपहर के खाने के लिए होटल वापस जाते थे और मुझे लौटने में कम से कम 10 मिनट की देरी होती थी. तब तापसी कहती थीं, आपको उस होटल से वापस आने में 10 मिनट की देरी हो गई जो सिर्फ पांच मिनट की दूरी पर है.

फोटोग्राफर को लगाई थी फटकार

विक्रांत ही नहीं सनी ने तापसी के लिए कहा कि, फिर आई हसीन दिलरुबा की शूटिंग के पहले दिन तापसी और मैं साथ थे. जब पहला दिन होता है तो आप थोड़ी टेंशन में होते हैं.क्योंकि आप हर किसी से मिल रहे हैं और आप ज्यादा कुछ नहीं जानते हैं. हमारा स्टिल फोटोग्राफर पास ही था, बहुत सारी तस्वीरें ले रहा था. तापसी उस वक्त डायरेक्टर से बात कर रही थीं. कैमरे की लगातार क्लिक की आवाज सुनने के बाद तापसी उनकी ओर मुड़ीं और कहा कि या तो आप शूटिंग कर लें या उन्हें करने दें. आप फैसला करें.

इधर हार्दिक-नताशा की शादी टूटी, उधर अनन्या पांडे संग नाम जुड़ गया, खबर में कितनी सच्चाई

इंडियन क्रिकेट टीम के स्टार हार्दिक पंड्या और एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक के तलाक के चर्चे लगातार जारी हैं. हर किसी की नजरें तलाक के बाद भी इस एक्स कपल पर टिकी हुई हैं. तलाक के बाद जहां नताशा अपने बेटे के साथ अपने मायके चली गई हैं. वहीं हार्दिक अपने बेटे को काफी मिस कर रहे हैं. 30 जुलाई को हार्दिक-नताशा के बेटे अगस्त्य का जन्मदिन था. इस खास मौके पर दोनों ने अपने बेटे को बर्थडे विश किया. लेकिन इसी बीच एक खबर काफी तेजी से हर तरफ फैल रही है.दरअसल हार्दिक पांड्या का नाम बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे के साथ जोड़ा जा रहा है. दोनों को लेकर ये कहा जा रहा है कि ये दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. इन खबरों के सामने आने के पीछे की सबसे बड़ी वजह अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी है, जहां दोनों को कई बार साथ में देखा गया. इस बिग वेडिंग में हार्दिक-अनन्या को एक साथ डांस करते हुए सभी ने देखा. दोनों की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आ चुकी हैं. ऐसे में यूजर्स इस बात का अंदाजा लगा है कि ये दोनों एक-दूसरे के साथ हैं.

हार्दिक-अनन्या के बीच दिखी कैमिस्ट्री

हार्दिक-अनन्या की कैमिस्ट्री पर जोरों-शोरों से चर्चा हो रही है. अनंत-राधिका की हल्दी सेरेमनी से एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें हार्दिक-अनन्या को साथ में जमकर झूमते हुए देखा गया था. इसके अलावा इन दोनों को पूरी शादी में एक-दूसरे के आस-पास देखा गया है. ऐसे में यूजर्स इस बात का दावा करते हुए नजर आ रहे हैं कि इन दोनों के बीच कुछ तो है. हालांकि इन खबरों में कितनी सच्चाई है, ये तो कोई नहीं जानता. दोनों का साथ में डांस करना एक इत्तेफाक भी हो सकता है.

जब राहुल गांधी पर आया कपूर खानदान की इस लाडली का दिल, करना चाहती थीं डेट

फिल्मी सितारों और नेताओं के बीच अक्सर रिश्ते देखे जाते हैं. कई एक्ट्रेसेस ने नेताओं से शादी रचाई है. इनमें सबसे ताजा उदाहरण परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा का है, जिन्होंने हाल ही में शादी की है. उनके अलावा स्वरा भास्कर और नवनीत कौर राणा तक कई एक्ट्रेसेस के नाम इस लिस्ट में शामिल हैं. वहीं एक वक्त ऐसा था जब करीना कपूर भी राहुल गांधी को काफी पसंद करती थीं.

उनके अलावा स्वरा भास्कर और नवनीत कौर राणा तक कई एक्ट्रेसेस के नाम इस लिस्ट में शामिल हैं. वहीं एक वक्त ऐसा था जब करीना कपूर भी राहुल गांधी को काफी पसंद करती थीं.

करीना कपूर का सिम्मी ग्रेवाल के साथ इंटरव्यू का एक पुराना वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इसमें उनसे डेटिंग को लेकर सवाल किया जा रहा है कि अगर उन्हें दुनिया में किसी शख्स को डेट करने के लिए चुनना हो, तो वो कौन होगा? इस पर करीना हिचकिचा कर जवाब देते हुए कहती हैं, मैं जानती हूं कि अगर मैं बताऊंगी तो ये थोड़ा विवादित हो सकता है. लेकिन वो राहुल गांधी हैं, जिन्हें मैं और ज्यादा जानना चाहूंगी. उनका जवाब सुनकर सिम्मी हैरान रह जाती हैं.

लोगों ने किए कमेंट्स

हालांकि वीडियो काफी पुराना है. इसमें करीना कपूर आगे कहती हैं, मैं एक मैगजीन में उनकी तस्वीर देखते हुए सोच रही थी कि कैसा होगा अगर मैं उनके साथ बातचीत करूं.

मैं एक फिल्मी फैमिली से आती हूं और वो एक पॉलिटिकल फैमिली से हैं. ऐसे में हमारे बीच काफी इंटरेस्टिंग बातचीत हो सकती है. इस वीडियो पर फैन्स खूब कमेंट कर रहे हैं और कह रहे हैं कि इसमें करीना कपूर का कसूर नहीं है. राहुल गांधी काफी स्मार्ट थे. एक यूजर ने लिखा, राहुल गांधी अपने दौर में काफी हैंडसम थे.

करीना कपूर की अपकमिंग फिल्म

करीना कपूर ने पहले शाहिद कपूर को डेट किया था. इसके बाद उन्होंने साल 2012 में सैफ अली खान से शादी कर ली थी. दोनों ने शादी से पहले एक-दूसरे को लंबे समय तक डेट किया था. अब कपल के 2 बच्चे तैमूर और जेह हैं. करीना पिछली बार 'क्रू' में नजर आई थीं. इसमें उनके साथ कृति सेनन और तबू भी दिखी थीं .

उनकी फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. अब वो रोहित शेट्टी की मल्टीस्टारर फिल्म 'सिंघम अगेन' दिखाई देंगी. इसमें अजय देवगन, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, अक्षय कुमार, विकी कौशल, टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर भी नजर आएंगे. ये फिल्म 1 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

बॉबी देओल

की बढ़ने वाली हैं मुश्किलें! आलिया भट्ट के बाद शरवरी वाघ ने भी बड़ी तैयारी कर ली

YRF स्पाई यूनिवर्स की 4 बड़ी फिल्में आने वाली हैं. इस वक्त जिन दो फिल्मों की तैयारी शुरू हो चुकी हैं, उसमें- ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' और आलिया भट्ट की 'अल्फा' शामिल है. जहां एक फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है. वहीं दूसरी की हाल ही में तैयारी शुरू हुई है. YRF स्पाई यूनिवर्स ने बहुत बड़ा दांव खेला है, जो अबतक नहीं किया गया था. टाइगर, पठान और वॉर वाले कबीर से हटकर पहली स्पाई फीमेल फिल्म बन रही है. इसका टाइटल भी ऐसा रखा गया है, जो अलग होने के साथ ही एक नया कॉन्सेप्ट दिखाता है. फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ नजर आएंगी. वहीं बॉबी देओल दोनों की मुश्किलें बढ़ाते नजर आएंगे. क्योंकि वो विलेन बने हैं. इसी बीच शरवरी वाघ का ऐसा लुक सामने आ गया, जिसे देखकर फैन्स भी कहने को मजबूर हो गए- फिल्म बहुत बड़ी होने वाली है.Alpha के लिए आलिया भट्ट और शरवरी वाघ का तगड़ा ट्रांसफॉर्मेशन देखने को मिल रहा है. इस स्पाई फिल्म में वो दोनों ही फिल्म को लीड करती दिखेंगी. खूब सारा एक्शन देखने को मिलने वाला है. बीते दिनों पता लगा था कि आलिया भट्ट और बॉबी देओल के बीच एक्शन सीक्वेंस शूट किए जा रहे हैं. दोनों के बीच मारधाड़ हुई है. वहीं इस दौरान कैसा लुक रहा, यह भी रिवील हो गया था.

शरवरी वाघ ने स्पाई फिल्म के लिए बड़ी तैयारी की

शरवरी वाघ ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इसमें उनका फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन देखकर फैन्स हक्के-बक्के रहे गए हैं. वो तस्वीरों में काफी फिट नजर आ रही हैं. हर तस्वीर के साथ वो खुद को चैलेंज करती दिख रही हैं. उनकी फिटनेस देखकर यूजर्स ने लिखा कि-Alpha के लिए तैयार हो रही हैं. तो कुछ कहते हैं कि- इन्हें नई नेशनल क्रश घोषित कर दिया जाए. कुछ एक्शन मोड ऑन कहकर भी कमेंट कर रहे हैं.शरवरी वाघ फिल्म में आलिया भट्ट की बहन का किरदार निभा रही हैं. जो उनकी मदद करती भी नजर आएंगी. इस किरदार के लिए वो फिटनेस ट्रेनर रॉबिन बहल की मदद से फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन कर रही हैं. ऐसा पता लगा है कि शरवरी वाघ ने सिर्फ 5 महीने में बॉडी फैट को 9 परसेंट तक कम कर लिया है. बीते दिनों आलिया भट्ट की भी Alpha के सेट से तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वो शूटिंग के लिए जाती नजर आईं थी.

शरवरी वाघ के लिए जबरदस्त रहा फर्स्ट हाफ

साल 2024 का फर्स्ट हाफ पूरा हो चुका है. शरवरी वाघ दो बड़ी फिल्मों में नजर आईं.

रेलवे सुरक्षा बल ने खतरनाक रेलवे ट्रैक स्टंट के लिए यूट्यूबर को गिरफ्तार किया

रेलवे सुरक्षा बल ने लापरवाही भरे व्यवहार पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, पब्लिसिटी के लिए रेलवे ट्रैक के साथ आपराधिक छेड़छाड़ करके सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है। ट्विटर पर वायरल वीडियो में एक व्यक्ति को रेलवे ट्रैक पर विभिन्न प्रकार की वस्तुएं रखते हुए दिखाया गया था, जिसके बाद तत्काल जांच की गई। अपराधी, गुलजार शेख ने अपने यूट्यूब चैनल पर 250 से अधिक वीडियो अपलोड किए हैं और उसके 2 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं। उसकी ऑन-कैमरा गतिविधियों ने रेलवे सुरक्षा और संचालन दोनों के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा किया। शेख की यूट्यूब प्रोफाइल और सोशल मीडिया उपस्थिति के विस्तृत विश्लेषण के माध्यम से, आरपीएफ ऊंचाहार, उत्तर रेलवे ने 01/08/2024 को रेलवे अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत अपराध दर्ज किया। उसी दिन, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने गुलजार शेख, पुत्र सैयद अहमद को खांडरौली गांव, सोरांव (इलाहाबाद), उत्तर प्रदेश में उनके निवास से गिरफ्तार किया।तत्पर और प्रभावी कार्रवाई के लिए आरपीएफ, लखनऊ मंडल की सराहना करते हुए, आरपीएफ महानिदेशक ने इस बात पर जोर दिया कि श्री गुलजार शेख के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भारतीय रेलवे की सुरक्षा से समझौता करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के लिए एक मजबूत निवारक के रूप में काम करेगी। उन्होंने रेलवे सुरक्षा के महत्व को दोहराया और जनता को आश्वासन दिया कि रेलवे की सुरक्षा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ संकल्प और सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ सामना किया जाएगा और ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों पर अधिकतम सजा सुनिश्चित करने के लिए मुकदमा चलाया जाएगा। आरपीएफ महानिदेशक ने जनता से ऐसी गतिविधियों में शामिल न होने और रेलवे सुरक्षा एवं संरक्षा से समझौता करने वाले किसी भी कृत्य के बारे में सूचित करने की भी अपील की। इस प्रकार की सूचना रेलवे सुरक्षा बल या रेल मदद को टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से दी जा सकती है।

गुरु का महत्व बताता है गुरु पूर्णिमा का पर्व

ग्वालियर। सदुरु अज्ञान के अंधकार को दूर कर शिष्य को सही मार्ग पर ले जाते हैं। गुरु पूर्णिमा गुरु और उनके शिष्यों के बीच पवित्र बंधन और सम्मान करने का दिन है। इस दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु का महत्व बताता है।

यह बात साहित्यकार एवं समाजसेवी उदयभान रजक ने हाईस्कूल जे.ए.सिंध के माध्यमिक विद्यालय में गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही। भारतीय शिक्षण मंडल के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में श्री रजक ने प्रेरणादायक कहानी एवं महापुरुषों की प्रेरक घटनाएं सुनाकर बच्चों के अंदर उत्साह भर दिया। साथ ही वेद व्यास जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले गुरु पूर्णिमा का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि पूर्णिमा का हमारे जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ता है। गीतकार उदयभान रजक ने महान ऋषि धौम्य एवं उनके शिष्य आरुणी की कहानी सुनाकर बच्चों को गुरु के प्रति शिष्य का सम्मान और श्रद्धा का भाव जाग्रत किया। साथ ही रामकृष्ण परमहंस एवं उनके शिष्य स्वामी विवेकानंद सहित अन्य गुरु-शिष्यों के बारे में जानकारी देकर गुरु का शिष्यों के जीवन में महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य परंपरा के साथ-साथ स्वरचित देश भक्ति गीत सुनाकर विद्यार्थियों में देशभक्ति का जोश एवं उत्साह भर दिया। उन्होंने पौधरोपण, महिला सम्मान विषय में प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका ऋचा दुबे एवं आभार आरसी बिनचुरकर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर कल्पना श्रीवास्तव, रमा शर्मा,अर्चना रायकवार, प्राथमिक विद्यालय की प्रधान अध्यापिका चंद्रकांता चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

श्री चक्रधर समूह के पदाधिकारियों कार्यकारिणी ने सामूहिक फार्म जमा किये

ग्वालियर। श्री सनातन धर्म मंडल ग्वालियर के आगामी होने वाले निर्वाचन के लिए श्री चक्रधर समूह ने कार्यकारिणी समिति के प्रत्याशियों ने आज भगवान श्री चक्रधर के चरणों में अपने नामांकन फार्म रखकर विजयश्री का आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत सहायक निमर्वाचन अधिकारी राजकुमार गर्ग के समक्ष सामूहिक रूप से पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने अपने फार्म जमा किये। श्री चक्रधर समूह के चुनाव प्रभारी सुनील अग्रवाल सनी ने बताया कि आज नामांकन जमा करने वालों में अध्यक्ष पद हेतु कैलाश चन्द्र मित्तल, संयुक्त अध्यक्ष पद के लिए केदारनाथ गुप्ता, उपाध्यक्ष पद के लिए ओपी गोयल, प्रधानमंत्री पद के लिए रमेश चन्द्र गोयल (लल्ला) संयुक्त प्रधानमंत्री के लिए मनोज गोयल, धर्म मंत्री के लिए राधारमन बांदिल (बंटी), कोषाध्यक्ष पद के लिए विमल माहेश्वरी, संयुक्त कोषाध्यक्ष पद के लिए नरेन्द्र मंगल, मंत्री कैलाशनाथ अग्रवाल, लेखा परीक्षक डा कैलाश नारायण गर्ग ने अपने

शिक्षा मंत्री के लिए दीपक जैन, स्वास्थ्य मंत्री बाबूलाल सिंहल, समाज कल्याण फार्म जमा किए। साथ ही सनातन धर्ममंडल की कार्यकारिणी के लिए रमेशचन्द्र गुप्ता (सेठ), शशिकांत माहेश्वरी, रामनिवास माहेश्वरी, कृष्णकुमार परवाल, ऋषि ओमप्रकाश अग्रवाल, सत्येन्द्र अग्रवाल (सिंघल), राकेश लहारिया, सुमन सिंहल, मुकेश सिंहल , आशीष जैन, अजय गुप्ता, भरत बंसल, ने भी अपने नामांकन फार्म भरे। श्री चक्रधर समूह के सनी अग्रवाल ने कहा कि उक्त घोषित कार्यकारिणी में जहां वरिष्ठ सेवाभावी सदस्यों का समावेश है वहीं हमारी आगामी टीम में महिला एवं कर्मठ युवाओं को जिनके मन में सनातन धर्म के प्रति पूर्ण निष्ठा और सेवा भावना है ऐसे प्रत्याशियों को मंडल में कार्य करने का अवसर मिलेगा। वहीं वर्षो से चले चले आ रहे नित नवीन निर्माण एवं विकास कार्यो को गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि श्री सनातन धर्म मंडल के निर्वाचन आगामी 10 अग्रस्त को आयोजित किये गये है।

पंचतत्व में विलीन हुए अनुराग बंसल, भाजपा नेताओं ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

ग्वालियर। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री अनुराग बंसल का पार्थिव शरीर शुक्रवार को पंचतत्व में विलीन हो गया। भाजपा नेताओं ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। स्व. श्री अनुराग बंसल का अंतिम संस्कार लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम में किया। इस दौरान उनकी चिता को मुखाग्नि उनकेपुत्र श्री श्रेय बंसल ने दी। मुखाग्नि से पहले भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अभय चौधरी स्व. अनुराग बंसल जी के निज निवास गीता कॉलोनी पहुंचे जहां उन्होंने उनकी पार्थिव देह को भाजपा का अंग वस्त्र उड़ाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर श्री यशवंत इंदापुरकर, श्री राकेश मंगल, श्री अनिल अग्निहोत्री, श्री जयप्रकाश राजौरिया, श्री विवेक जोशी, पूर्व विधायक श्री प्रहलाद भारती, श्री जय सिंह कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री देवेश शर्मा, श्री धीर सिंह तोमर, श्री राकेश जादौन, श्री नीतेश शर्मा, श्री रमेश पठारिया, श्री बृजेंद्र सिंह जादौन, श्री रविंद्र राजपूत, श्री अशोक शर्मा, श्री अतुल तारे, श्री कनवर मंगलानी, श्री रामेश्वर भदौरियाख् महामंत्री श्री विनोद शर्मा, श्री राजू पलैया, श्री धर्मेंद्र सिंह कुशवाह, जिला मीडिया प्रभारी श्री नवीन चौधरी, श्री दीपक शर्मा, श्री सुघर सिंह पवैया, श्री जयप्रकाश मिश्रा, श्री यशवर्धन जैन, श्री निर्मल कोठारी, श्री प्रमोद खण्डेलवाल, श्री संदीप देव, श्री दीपक भदौरिया, श्री रमेश सेन, श्री अजीत वरैया, श्री धर्मेन्द्र आर्य, डॉ.

श्री प्रकाश लोहिया, श्री जानवेद चौरसिया, श्री अनिल चौधरी, डॉ. राकेश रायजादा, डॉ. अरविंद राय, श्री चंद्र प्रकाश मिश्रा, श्री भानू जैन, श्री किशोर जैन, श्री सुशील वर्मा, श्री मुरारी लाल मित्तल, श्री निशिकांत मोघे, श्री यश शर्मा, श्री विनोद अष्टैया, श्री हरीश मेवाफरोश, श्री वेद प्रकाश शिवहरे, श्री रमाकांत महेते, श्री अमित बंसल, श्री अजय अरोरा, श्री गौरव बाजपेई, श्री भारत शाक्य, श्री सोनू मंगल, श्री सुनील भदौरिया, श्री अंकित बंसल, श्री उपेंद्र तोमर, श्री संदीप जैन, श्री धर्मेन्द्र गुर्जर, श्री शिवेंद्र सिंह, श्री हासानंद आहूजा, श्री उमाशंकर पचौरी, श्री मुकेश, श्री राजू केलकर आदि मौजूद रहे।

फ्लोरीकल्चर मिशनः चयनित किसानों को वितरित किए गए फूलों के पौधे

ग्वालियर7 फ्लोरीकल्चर मिशन चरण-2 के तहत चयनित राज्यों के किसानों को मुफ्त में फूलों के पौधे वितरण करने एवं प्रशिक्षण देने के क्रम में शुक्रवार को ग्वालियर जिले के उदयपुरा गांव में सीएसआईआर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान लखनऊ की वैज्ञानिक टीम ने 50 से अधिक किसानों को प्रशिक्षण एवं 5 लाख गेंदे के पौधो वितरित किए गए। इस मौके पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री एनपीएस बुन्देला एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित थे। कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने इस अवसर पर ग्राम पंचायत उदयपुर में स्थित नीम पर्वत का भी अवलोकन किया। उन्होंने नीम पर्वत पर निर्माणाधीन चिल्ड्रन पार्क के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नीम पर्वत से लगे हुए तालाब पर बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण करने के साथ ही नीम पर्वत को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि नीम पर्वत पर स्व-सहायता समूह की महिलाओं को लाकर गतिविधियां ब?ाई जाएं। इसके साथ ही नागरिकों को भी नीम पर्वत पर आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी जाए, ताकि लोग परिवार सहित भी नीम पर्वत पहुँच सकें।

कृषि क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता: आदित्य सिंह

ग्वालियर । कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर में स्थापित ÷कृषि व्यवसाय ऊष्मायन और उद्यमिता केन्द्र÷ का आज चेम्बर ऑफ कॉमर्स की ईडीसी उपसमिति के सदस्यों द्वारा भ्रमण किया गया । इस अवसर पर उक्त केन्द्र के सीईओ-श्री आदित्य सिंह जो कि कृषि मंत्रालय के नोडल अधिकारी भी है और उक्त केन्द्र की गतिविधियों के प्रभारी हैं, विशेष रूप से उपस्थित थे ।

सीईओ आदित्य सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहाकि हमारा यह सेंटर मुख्य रूप से कृषि के क्षेत्र में अंचल के युवा उद्यमियों को फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में उनकी सहायता करना है । आपने बताया कि नावार्ड ने यह सेंटर राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि महाविद्यालय में खोला है । आपने बताया कि नावार्ड हमारी फण्डिंग एजेंसी है । इस सेंटर को बनाने का जो उद्देश?य है, वह यह है कि कृषि क्षेत्र से जु? हुए जो भी व्यवसाय हैं, उनकी मदद करना हमारा उद्देश?य है । हम अपने साइंटिस्टों के माध्यम से अपने स्टार्टअप को बताते है कि हम कैसे अपने नेचुरल रिर्सोस को बढ़ा सकते हैं और उसमें आगे काम कर सकते हैं । हम एक-दूसरे से कनेक्टिविटी भी बढ़ाते हैं, जैसे कि बहुत सारे फार्मर्स को मार्केटिंग में काफी दिक्कते आती हैं, वह कहते हैं कि उन्हें अपने उत्पादन की अच्छी कीमत नहीं मिल पा रही है, तब उन्हें बड़ी चैन सिस्टम से जु?ने के रास्ते बताते कृषि में नवाचार कैसे ला सकते हैं । चाहे वह टेक्नोलॉजी हो अथवा उत्पादन के संबंध में जानकारी हो, डीपीआर मार्केटिंग की आवश?यकता है । इसमें उसकी पूरी सहायता करना है और हम करते हैं । आपने बताया कि लगभग

हैं और उन्हें उनसे कनेक्ट करवाते हैं । आपने बताया कि कैसे बनाना है, उद्यमी बैंक तक कैसे जाए, यदि उन्हें 200 से ज्यादा युवा उद्यमी हमारे साथ काम कर रहे हैं । आपने बताया कि आज यूरोप में नेचुरल कलर की काफी माँग है और इसकी कीमत भी काफी अधिक हैं । इसलिए इस क्षेत्र में काफी स्कोप है । युवाओं को आगे आकर इस क्षेत्र में काम करना चाहिए, हम आपकी मदद करने के लिए तैयार हैं । साथ ही, आपने कहाकि ग्वालियर से दिल्ली मात्र 300 किलोमीटर की दूरी पर है और यहाँ का मार्केट काफी ब?ा है । आप कुछ भी कृषि उत्पादन करेंगे, उसकी शत प्रतिशत खपत दिल्ली में कर सकते हैं । आपने कहाकि कोरोना के बाद प्रत्येक व्यक्ति खानपान में हेल्दी ऑप्शन ढूढ़ रहा है । इस अवसर पर मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल, चेम्बर की ईडीसी उपसमिति के संयोजक आद्यन्त अग्रवाल, सहसंयोजक शरद गोयल, सदस्य-सर्वश्री सीए दीपक वाजपेयी, विवेक बंसल, उमेश उप्पल, संजय धवन, अजय चोप?ा, सौरभ गुप्ता, अमरप्रताप राठौ?, रवि हरलालका, राजीव मिश्रा, चैतन्य आनन्द आदि उपस्थित थे । इस अवसर पर कृषि मंत्रालय के नोडल अधिकारी-डॉ. वाई. डी. मिश्रा द्वारा पॉवर पोइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से सेंटर की विभिन्न गतिविधियों सहित कृषि उत्पाद से निर्मित वस्तुओं के निर्माण में सतत संलग्न अंचल के उद्यमियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई ।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478